जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम– III

(D.P.E.P.-III)

DPEP

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम
DISTRICT PRIMARY EDUCATION PROGRAMME

PERSPECTIVE PLAN
(Revised)
(Work Plan & Budget, D.P.E.P. III)
(Apr.2000 - Sep. 2005)
Tehri Garhwal

जिला परियोजना कार्यालय, (डी0पी0ई0पी0 / एस0एस0ए0),
टिहरी गढ़वाल, नई टिहरी।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–।।।, टिहरी गढवाल.

अनुक्रमणिका

कार्य योजना एवं बजट २०००–२००१ से २००४–२००५
(अप्रैल २००० से सितम्बर २००५ तक)

अध्याय	नाम	पृष्ठ	
		से	तक
अध्याय – एक	टिहरी गढ़वाल – परिचय, शैक्षिक परिदृश्य	३	२५
अध्याय – दो	जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम उद्देश्य एवं विशेषताएं	२६	२७
अध्याय – तीन	जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यतन प्रगति एवं आगामी वर्षों की कार्य–योजना	२८	४१
	बजट तालिकाएं		

अध्याय – एक
जनपद टिहरी गढ़वाल – परिचय

१. ऐतिहासिक परिदृश्य

महा–हिमालय में कुर्माचंल, नेपाल, केदार, जालन्धर एवं कश्मीर पॉच खण्ड़ हैं। इन पॉच प्रमुख खण्डों में से केदार खण्ड उत्तरी अक्षांस 31.8 तथा देशान्तर 80.6 के मध्य स्थित हैं। इस खण्ड की वामावर्त यात्रा में यमुनोत्री, गंगोत्री धामों की यात्रा मार्गों में भागीरथी, भिलंगना के संगम पर अवस्थित टिहरी (गणेश–प्रयाग) की प्रसिद्धि अपनी पावनता और दिव्यता के लिए अति प्राचीन काल से है। उत्तरांचल के गढवाल वाले भाग में सन् 688 में कनकपाल चांदपुर गढ के महाराज बने। 14 वीं सदी तक इस क्षेत्र में 52 गढ थे जहां से कत्यूरी राजाओं ने अपना–अपना राज–काज चलाया। 15 वीं सदी में अजयपाल बड़े प्रतापी राजा हुए, उन्होने सारे गढों को अपने राज्य में मिला कर गढवाल राजवंश की नीव डाली। तभी से इस क्षे. का नाम गढवाल पड़ा। प्रारम्भ में उन्होंने देवलगढ को अपनी राजधानी बनाया कुछ समय बाद उसे श्रीनगर स्थानान्तरित कर दिया। गोरखों के गढवाल आक्रमण के पश्चात तत्कालीन राजा के साथ हुई संधि के अनुसार सन् 1815 में अंग्रेजों ने टिहरी रियासत सुदर्शन शाह की प्रदान की व शेष गढवाल इपने अधीन कर लिया।गयी। इसे टिहरी रियासत के नाम से भी जाना जाता है। इस पर पंवार वंश के शासकों का आधिपत्य रहा है। जनक्रान्ति के फलस्वरूप 1 अगस्त सन् 1949 ई0 को इसे संयुक्त प्रान्त (उत्तर प्रदेश) में सम्मिलित किया गया।

२. भौगोलिक परिदृश्य

क. स्थिति एवं विस्तार

टिहरी नवगठित उत्तरांचल राज्य का एक मुख्य जनपद है। यह जनपद 30'–3'–10''से 30'–52'–41'' उत्तरी अक्षांस तथा 78'–8'–45''से 79'–2'–45'' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है।जनपद के उत्तर में उत्तरकाशी दक्षिण में पौड़ी गढवाल पूर्व में रूद्रप्रयाग तथा पश्चिम में उत्तरांचल की अंतरिम राजधानी देहरादून स्थित है। जनपद का कुल क्षेत्रफल 3796 वर्ग कि0मी0है। टिहरी गढ़वाल गगनचुम्बी चोटियों, पहाड़ी ढलानों, बुग्यालों, तालों और घाटियों का सुरम्य क्षेत्र है। भागीरथी, भिलंगना और गंगा प्रमुख नदियां हैं जिनमें जलकूर, बालगंगा, धर्मगंगा, हेंवल आदि सहायक नदियां समाहित होती है। वर्तमान में एशिया का सर्वाधिक ऊँचा (360.5 मी.) बॉध बनाया जा रहा है। जिसके कारण ऐतिहासिक टिहरी नगर जलमग्न हो जायेगा। इसके स्थान पर बॉध के निकट नया टिहरी नगर बसाया गया है जो कि जनपद का मुख्यालय है। जनपद की अधिकांश भाग पहाड़ी है।

ख. जलवायु

जनपद की जलवायु इसके असमान उच्चावचन समुद्र तल से ऊंचाई एवं इसके क्षेत्रफल से प्रभावित होती है। ऊंचे पहाड़ी भागों में अत्यधिक ठंड एवं घाटी वाले भागों में उष्ण जलवायु पाई जाती है। जनपद में बर्ष भर 60 सेमी. से 250 सेमी. तक वर्षा होती है। जनपद में सामान्यतः तीन मौसम है:–

- जाड़ा–मध्य अक्तूबर से मध्य मार्च तक (जो स्थानीय बोली में 'हयूंद' के नाम से जाना जाता है)।
- गर्मी–मध्य फरवरी से मध्य जून तक (जो स्थानीय बोली में रुड़ी नाम से जाना जाता है)।
- बर्षा–मध्य जून से मध्य अक्तूबर तक (जो स्थानीय बोली में बसकाल के नाम से जाना जाता है)।

३. जनपद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य

यहाँ की अधिकांश (93.48 प्रतिशत) जनसंख्या गांव मे निवास करती है। यहां के निवासियों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि राज्य के अन्य जनपदो के समान है। जौनपुर विकास खंण्ड़ की संस्कृति पर देहरादून के जनजाति क्षेत्र जौनसार से प्रभावित है। यह क्षेत्र धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा हैं। देश के कोने–कोने से पावन धामों की यात्रा के लिए आये लोगों को यहां की पर्वत श्रेणियों, नदियों, सिद्वपीठ और प्राकृतिक सौन्दर्य ने अभिभूत कर दिया और उनमें से कुछ लोग यहीं बस गये, कुछ साधनारत हो गये। यहाँ पर बहुसंख्या हिन्दू धर्मावलम्बियों की है। अल्प रूप में मुसलमान, सिक्ख, इसाई, जैन और बौद्ध धर्म के अनुयायी भी है।

संयुक्त परिवार प्रथा मुख्य रूप से प्रचलित है किन्तु वर्तमान भौतिक परिवेश से प्रभावित होकर एकल परिवार व्यवस्था भी विकसित होने लगी है। पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था है, जिसमें महिलाओं को अपेक्षाकृत कम अवसर प्रदान किये जाते हैं। मेलों, उत्सवों एवं विवाह आदि सांस्कृतिक पर्वों पर ढ़ोल, दमाऊ, हुड़का, रणसिंगा, सिणई आदि वाद्ययंत्रों की थाप पर लोग पाण्ड़व, थड़्या, चौफुला, झुमेलो, ड़ोल आदि में लोक नृत्यो के माध्यम से अपने उल्लास एवं आनन्द की अभिव्यक्ति करते हैं। यातायात तथा संचार साधनों एवं शिक्षा के प्रसार के साथ–साथ यहां का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश आधुनिकता की ओर अग्रसर है।

जनपद में बोली जाने वाली भाषा हिंदी है। ग्रामीण क्षेत्रों में गढवाली (पहाड़ी) बोली बोली जाती है। यहां का मुख्य पहनावा महिलाओं द्वारा धोती–ब्लाउज, सलवार–कुर्ता के साथ–साथ घाघरा व चोली एवं पुरुषों द्वारा कुर्ता–पजामा, पैंट–शर्ट या धोती–कुर्ता पहना जाता है।

४. जनपद का आर्थिक परिदृश्य

क–व्यावसायिक संरचना

जनपद की आर्थिकी का मुख्य आधार कृषि है। कृषि के साथ–साथ बागवानी व पशुपालन भी एक व्यवसाय है। जनपद की कुल कार्यशील जनसंख्या का 77.92 प्रतिशत कृषि कार्यो से प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि मजदूर के रूप में 1.01 प्रतिशत व अन्य प्राथमिक–व्यवसयों में 2.80 प्रतिशत जनसंख्या लगी है।

क्र०सं०	वर्ग	कुल कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत
1	कृषि कार्य	77.92
2	कृषि मजदूर	1.01
3	अन्य प्राथमिक व्यवसाय	2.80
4	खनन एवं उद्योग	0.05
5	निर्माण	4.20
6	व्यापार व वाणिज्य	2.82
7	परिवहन एवं संचार	1.10
8	अन्य	10.10

स्रोत– जिला सांख्यकी हस्त पुस्तिका 1996

ख–भूमि उपयोग

जनपद का बहुत बड़ा भाग वन क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। कुल क्षेत्र के 69.52 प्रतिशत भाग पर वन है। मात्र 12.76 प्रतिशत भाग पर कृषि कार्य होता है।

क्र०सं०	वर्ग	कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत
1	वन	69.52
2	चारागाह	2.56
3	झाड़ियां	0.11
4	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	12.76
5	गैर कृषि कार्यो में	1.41
6	परती आदि	12.25
7	बंजर	1.39

स्रोत– जिला सांख्यकी हस्त पुस्तिका 1996

ग–जनपद में कृषि

कृषि जनपद का मुख्य व्यवसाय है। खरीफ व रबी यहाँ की प्रमुख फसल है। चावल, गेंहू, मंडुवा, झंगोरा व जौ मुख्य खाद्य फसल है। आलू, मक्की, तंबाकू भी यहाँ पर उगाया जाता है। कुल कृषि क्षेत्र का 19.47 प्रतिशत भाग ही सिंचित है। दलहन में उड़द, मसूर, चना, मटर व तोर जबकि तिलहन फसलों में सरसों, तिल व सोयाबीन मुख्य फसल है।

५. उपलब्ध संसाधन

क– प्राकृतिक संसाधन

१. **वनाधारित संसाधन** – प्रचुर मात्रा में जलाऊ लकड़ी, पशुचारा, इमारती लकड़ी, बनौषधि–पादप उपलब्ध है। जनपद का 69.52 प्रतिशत भाग वनाच्छादित है। यहॉ पर साल, हल्दू, खैर, शीशम, बांस से लेकर पाइन, देवदार, बांज, बुरासं, खर्सू, मौरु से लेकर घास के भाग सम्मिलित है। ऊंचाई के अनुसार वनस्पति में विविधता पाई जाती है। अत्यधिक ऊचाई वाले भागों में बुग्याल (छोटी नरम घास), काई मिलती है। वनों का उपयोग ईधन एवं भवन निर्माण में किया जाता है।

क्र०सं०	क्षेत्र	ऊचाई	प्रमुख वृक्ष
1	उपोष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन	1200 मी0 से कम	साल, हल्दू, खैर, शीशम, बांस
2	समशीतोष्ण कटिबन्धीय वन	1200 – 1800 मी0	चीड., देवदार, कैल आादि
3	उप–अल्पाइन	1800 – 3000 मी0	बांज, बुरासं, खर्सू, मौरु,रिंगाल आादि
4	अल्पाइन	3000 – 4500 मी0	बर्च, लिचेन, बुग्याल आादि

२. **जलाधारित संसाधन** – जनपद मे कई छोटे–छोटे गाड हैं, जो बाद में बड़ी नदियों में मिल जाते हैं। अलकनन्दा, भागीरथी, भिलंगना, बालगंगा, यमुना आदि प्रमुख नदियां है। जनपद की नदियों के जल का उपयोग उनके गहरी घाटियों में बहने के कारण नहीं हो पाता है। भविष्य में नदियों पर छोटे–छोटे बांध बनाकर इनका उपयोग जलविद्युत सिंचाई एवं पेयजल के रूप में किया जा सकता है। वर्तमान में भागीरथी पर टिहरी

जलविद्युत परियोजना निर्मित है। भविष्य मे छोटे–बड़े बॉध बनाकर जहॉ सिंचाई के लिए सुविधाओं का विकास किया जा सकता है वहीं विद्युत उत्पादित करके आकर्षक राजस्व जुटाया जा सकता है।

३. खनिज सम्पदा – जनपद के कई भागों में तांबा, शीशा, सोना, जस्ता, सल्फर के भंड़ार है जिनका सदुपयोग संचार तथा परिवहन साधनों के न होने से नही हो पा रहा है।

ख– मानव निर्मित संसाधन

१–परिवहन व संचार सुविधाएं – जनपद सड़क यातायात से जुड़ा हुआ है। सभी विकास खण्ड़ मुख्यालय पक्की सड़कों से जुड़े है। 1994–95 में कुल सड़को की लम्बाई 1640 किमी0 थी। जिसमे से 1576 किमी0 मार्ग पक्का था। 1153 गॉव सड़को से जुड़ें हैं। 1994–95 में 1273 किमी0 सड़क लोक निर्माण विभाग व 268 किमी0 ड़ी.जी.बी.आर. के अन्तर्गत है। जनपद से दो राष्टीय राजमार्ग गुजरते हैं, जिनमें से एक ऋषिकेश –गंगोत्री राष्टीय राजमार्ग एवं दूसरा ऋषिकेश – –बद्रीनाथ राष्टीय राजमार्ग है। जनपद में 1994–95 तक 287 डाकघर व 64 टेलीग्राफ आफिस थे। जनपद में सुदूर गांवो तक दूरभाष की सुविधा उपलब्ध है।

२–विद्युत व्यवस्था – जनपद में 1994–95 में कुल 76 प्रतिशत गॉव विद्युतीकृत थे। परन्तु विद्युत व्यवस्था चुस्त–दुरस्त नहीं है। अधिकतर बिजली गायब ही रहती है। विद्युत आपूर्ति अनिमियत व दोषपूर्ण है। जनपद में विद्युत का प्रमुख उपयोग घरेलू कार्यो हेतु किया जाता है।

३–बैकिंग व्यवस्था – जनपद में 40 राष्ट्रीयकृत बैंक 22 सहकारी व 23 ग्रामीण बैंक है।

४–पेयजल योजना – जनपद में पेयजल व्यवस्था जल निगम व जल संस्थान द्वारा संचालित हैं । नगरीय क्षेंत्रों से पेयजल व्यवस्था पाइप लाइन के माध्यम से की गई है। जनपद के अधिकतर गावों में पाइप लाइनें बिछा दी गयी है परन्तु पेयजल व्यवस्था सही नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों मे आज भी परम्परागत तरीके से कई कि0मी0 से पैदल चलकर सिर पर पानी लाना पड़ता है ।

५–उद्योग–धंधे – जनपद में उद्योग घंधों का विकास ना के बराबर हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में टोकरी बुनना, रस्सी बनाना, कंडे बनाना, टाट–पट्टी बनाना आदि कुटीर उद्योगों का विकास बहुत छोटे स्तर पर हुआ है। जनपद के ढालवाला क्षेत्र में सरिया एवं एंगिल बनाने के उद्योगों का विकास हुआ है।

६–चिकित्सालय – जनपद के प्रत्येक विकासखंड में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित है। परन्तु उनमें चिकित्सकों का अभाव हैं। इसके अतिरिक्त सुमन जिला चिकित्सालय नरेंद्रनगर एवं संयुक्त चिकित्सालय नई टिहरी हैं।

७ – प्रमुख पर्यटन स्थल – जनपद के प्रमुख पर्यटन स्थलों में चंद्रबदनी, सुरकंडा देवी, कुंजापुरी, सेम–मुखेम, खैट–पर्वत, थाती (बुढाकेदार), किलकिलेश्वर महादेव (चौरास), बेलेश्वर महादेव (भिलंगना), कोटेश्वर बांध महादेव (नरेद्रनगर) तपोवन, देवप्रयाग आदि प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल एवं धनोल्टी, घुत्तू, केम्प्टीफाल, सहस्रताल, महासरताल, पांवली कांठा, शिवपुरी, कौडियाल, नरेंद्रनगर, चम्बा, खतलिंग ग्लेशियर, लोयल की शिवगुफा, टिहरी बांध, कोटेश्वर बांध अन्य प्रमुख पर्यटन स्थल है।

६. जनपद का प्रशासनिक परिदृश्य

टिहरी जनपद में पाँच तहसीलें नरेन्द्रनगर, टिहरी, प्रतापनगर, देवप्रयाग व धनसाली तथा नौ विकासखंड है। जनपद में कुल 76 न्याय पंचायते हैं। सम्पूर्ण जनपद में कुल 762 ग्राम पंचायते हैं। कुल गाँवों की संख्या 1847 है जिनमें से 14 वनग्राम, 1778 आबाद राजस्व ग्रम व 55 गैर आबाद राजस्व ग्राम है। जनपद में दो नगरपालिकाएं (टिहरी व नरेन्द्रनगर) एवं 4 टाउन एरिया (मुनीकीरेती, देवप्रयाग, कीर्तिनगर व चम्बा) है।

क्र०स०	विवरण	संख्या
1	जनपद में तहसीलों की संख्या	5
2	जनपद में उपतहसीलों की संख्या	2
3	जनपद में विकास खंडों की संख्या	9
4	जनपद में नगरपालिकाओं की संख्या	2
5	जनपद में नगरपंचायतों की संख्या	4
6	जनपद में न्यायपंचायतों की संख्या	76
7	जनपद में ग्रामपंचायतों की संख्या	928
8	जनपद में गाँवों की संख्या	1847

स्रोत–जिला सांख्यकी हस्त पुस्तिका 1996

जनपद में ब्लाकवार संख्या

क्र०स०	ब्लाक का नाम	न्याय पंचायत	ग्राम पंचायत	राज० ग्राम	बस्तियां	नगर क्षेत्र
1	भिलंगना	11	170	262	409	0
2	चम्बा	8	91	214	250	2
3	देवप्रयाग	10	106	258	321	1
4	जाखणीधार	7	86	149	199	0
5	जौनपुर	10	111	253	326	0
6	कीर्तिनगर	8	81	155	269	1
7	नरेन्द्रनगर	8	103	213	376	2
8	प्रतापनगर	8	95	118	161	0
9	थौलधार	6	85	173	197	0
योग		**76**	**928**	**1795**	**2508**	**6**

स्रोत–परिवार सर्वेक्षण 2002

७. जनपद की जनसंख्या का परिदृश्य

वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर जनपद की कुल जनसंख्या 604608 है। जिसमें से 294842 पुरूष एवं 309766 महिलाएं है। कुल जनसंख्या का 51.23 प्रतिशत महिलाएं है। जनपद लिंगानुपात प्रति हजार पुरूषों पर 1051 महिलाएं हैं। दशकीय जनसंख्या बृद्धि दर 16.15 है। जनपद में प्रति वर्ग कि0मी 148 व्यक्ति निवास करते हैं। आगे अंकित तालिका में स्पष्ट है–

जनसंख्या–२००१

क्र०स०	विवरण	संख्या	
		1991	2001
1	जनपद की कुल जनसंख्या	520256	604608
क	पुरुष जनसंख्या	256315	294842
ख	महिला जनसंख्या	263941	309766
2	जनपद की जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर	16.59	16.15
3	जनपद का लिगांनुपात (1000पुरुषों पर महिलाएं)–	1048	1051
4	जनपद में जनसंख्या का घनत्व/वर्ग किमी	128	148
5	जनपद की कुल साक्षरता	48.46%	67.04% 340878
क	पुरुष साक्षरता	72.09%	85.62% 209806
ख	महिला साक्षरता	26.31%	49.76% 131072

स्रोत–जनगणना 1991 एवं 2001।

जनपद की तुलनात्मक जनसंख्या–२००१

क्र०स०	विवरण	भारत	उत्तरांचल	टिहरी
1	कुल जनसंख्या	1027015247	8479562	604608
क	पुरुष जनसंख्या	531277078	4316401	294842
ख	महिला जनसंख्या	495738169	4163161	309766
2	जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर	21.34	19.20	16.15
3	लिगांनुपात (1000पुरुषों पर महिलाएं)–	933	964	1051
4	जनसंख्या का घनत्व/वर्ग किमी	324	159	148
5	कुल साक्षरता	65.38	72.28	67.04% 340878
क	पुरुष साक्षरता		84.01	85.62% 209806
ख	महिला साक्षरता		60.26	49.76% 131072

स्रोत–जनगणना 2001।

जनपद की जनसंख्या – १९९१ एवं २००१

क्र०स०	विवरण	संख्या	
		1991	2001
1	जनपद की कुल जनसंख्या	520256	604608
क	पुरुष जनसंख्या	256315	294842
ख	महिला जनसंख्या	263941	309766
1	जनपद की कुल ग्रामीण जनसंख्या	486361	546133
क	पुरुष जनसंख्या	234649	259078
ख	महिला जनसंख्या	251712	287055
1	जनपद की कुल शहरी जनसंख्या	32895	58475
क	पुरुष जनसंख्या	21045	35764
ख	महिला जनसंख्या	11850	22711
1	जनपद की कुल वनक्षेत्र जनसंख्या	1000	
क	पुरुष जनसंख्या	621	
ख	महिला जनसंख्या	379	

स्रोत–जनगणना 1991 एवं 2001

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 1991 की जनगणना के अनुसार जनपद की 93.48 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती थी वर्ष 2001 में घटकर 90.33 प्रतिशत हो गयी। जबकि शहरी क्षेत्र में यह 6.33 प्रतिशत से बढ कर 9.67 प्रतिशत हो गयी।

जनपद की ब्लाकवार जनसंख्या – १९९१

विकास क्षेत्र	कुल जनसंख्या			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति		
	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
भिलंगना	42253	47535	90788	7462	8242	15704	8	1	09
चम्बा	24854	26834	51688	2312	2331	4643	85	29	114
देवप्रयाग	24072	27430	51502	3557	3613	7170	33	32	65
जाखणीधार	34360	31945	66305	4168	3910	8078	38	17	55
जौनपुर	25497	24840	50337	4845	4643	9888	56	255	311
कीर्तिनगर	20146	21334	41480	3102	3212	6314	—	—	—
नरेन्द्रनगर	35720	34312	70032	3815	3444	72659	5	0	00
प्रतापनगर	25458	27393	52851	3306	3334	6640	—	—	—
थौलधार	21909	22364	44273	3681	3603	7284	32	14	46
वनक्षेत्र	621	379	1000	—	—	—	—	—	—
योग	**256315**	**263941**	**520256**	**36248**	**36332**	**72580**	**257**	**348**	**605**

स्रोत–जनगणना 1991

जनपद की ब्लाकवार जनसंख्या--२००१

क्र० स०	विकास क्षेत्र	कुल जनसंख्या			प्रतिशत		
		ग्रामीण	नगरीय	योग	ग्रामीण	नगरीय	योग
1	भिलंगना	103002	0	103002	18.86	0	17.03
2	चम्बा	60441	32004	92445	11.07	54.73	15.29
3	देवप्रयाग	54224	1550	55774	09.93	02.65	09.22
4	जाखणीधार	52278	0	52278	09.57	0	08.65
5	जौनपुर	58862	0	58862	10.78	0	09.74
6	कीर्तिनगर	44425	1040	45465	08.13	01.78	07.52
7	नरेन्द्रनगर	61170	23881	85051	11.20	40.84	14.07
8	प्रतापनगर	59961	0	59961	10.98	0	09.92
9	थौलधार	51770	0	51770	09.48	0	08.56
	योग	**546133**	**58475**	**604608**	**100.00**	**100.00**	**100.00**

जनपद में विकास क्षेत्रवार संकेतकांक – १९९१

क्र० स०	विकास क्षेत्र	जनसंख्या	अ०जा० जनसंख्या प्रतिशत	अ०ज०जा० जनसंख्या प्रतिशत	जन घनत्व	साक्षरता दर
1	भिलंगना	90788	17.29	.009	49	30.54
2	चम्बा	51688	8.98	.22	116	45.93
3	देवप्रयाग	51502	13.92	.126	117	39.42
4	जाखणीधार	66305	12.18	.08	192	45.72
5	जौनपुर	50337	18.84	.617	104	30.83
6	कीर्तिनगर	41480	15.22	—	284	56.46
7	नरेन्द्रनगर	70032	10.36	.007	247	42.18
8	प्रतापनगर	52851	12.56	—	229	35.04
9	थौलधार	44273	16.45	.1	211	38.38
	वनक्षेत्र	1000	—	—	—	52.60
योग		520256	13.95	0.116	128	48.46

स्रोत--जनगणना 1991

६. जनपद का शैक्षणिक परिदृश्य

क. साक्षरता

साक्षरता का विकास से सीधा संबंध हाता है। 1901 में जनपद की कुल 2.2 प्रतिशत जनसंख्या ही साक्षर थी। जनपद में 1991 में साक्षरता का प्रतिशत 48.46 है। जो 2001 में बढकर 67.04 हो गया। 2001 में जहॉ जनपद की पुरूष साक्षरता 85.62 प्रतिशत है वहीं दूसरी ओर महिला साक्षरता दर इसकी आधी 49.76 प्रतिशत है।

वर्ष	साक्षरता		
	पुरुष	महिला	योग
1991	72.09	26.31	48.46
2001	85.62	49.76	67.04

स्रोत – जनगणना 2001,

वर्ष	कुल जनसंख्या			कुल साक्षर जनसंख्या		
	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
2001	294842	309766	604608	209806	131072	340878

स्रोत – जनगणना 2001.

विकास क्षेत्रवार साक्षरता दर – १९९१

क्र०स०	विकास क्षेत्र	जनसंख्या	साक्षरता दर
1	भिलंगना	90788	30.54
2	चम्बा	51688	45.93
3	देवप्रयाग	51502	39.42
4	जाखणीधार	66305	45.72
5	जौनपुर	50337	30.83
6	कीर्तिनगर	41480	56.46
7	नरेन्द्रनगर	70032	42.18
8	प्रतापनगर	52851	35.04
9	थौलधार	44273	38.38
	वनक्षेत्र	1000	52.60
योग		**520256**	**48.46**

स्रोत–जनगणना 1991.

ख. रियासत काल और वर्तमान में शैक्षणिक व्यवस्था

सामन्तशाही शासन व्यवस्था एवं विषम भौगोलिक स्थिति के कारण लोगों का शैक्षिक विकास अवरूद्ध रहा है। महाराजा भवानी शाह के समय (1859–71) जनपद में प्रथम संस्कृत पाठशाला खुली जो जनपद का पहला शैक्षणिक संस्थान था। महाराजा प्रतापशाह में सन् 1875 में टिहरी में प्रताप हाईस्कूल खोला। 1907 में कुल प्राथमिक पाठशालाओं की संख्या 5 थी। वहीं 1880–81 में इनकी संख्या मात्र तीन थी। जो 1935 में 260 हो गई। स्वतंत्रता के बाद शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ।

क्र०स०	विवरण	वर्तमान स्थिति	रियासतकाल में
1	प्राथमिक विद्याालय	1291	300
2	जू0हाईस्कूल	340	41
3	हाईस्कूल	66	4
4	इण्टर कालेज	112	1
5	नवोदय विद्यालय	1	–
6	केन्द्रीय विद्यालय	1	–
7	महाविद्यालय	9	0
8	प्रावधिक संस्था	1	–
9	औद्योगिक संस्थान	6	–

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2002–2003.

ग. जनपद में शैक्षणिक संस्थाओं की वर्तमान स्थिति

क्र०सं०	विद्यालय	प्रकार	कक्षाएं	संख्या
1	प्राथमिक विद्यालय	परिषदीय	1–5	1291
		मान्यताप्राप्त	1–5	216
		विद्याकेन्द्र	1–2	226
		वैकल्पिक शिक्षा केंद्र	1–5	14
2	आदर्श विद्यालय	राजकीय	1–5	8
		राजकीय	6–8	7
3	जूनियर हाईस्कूल	परिषदीय	6–8	340
		मान्यताप्राप्त(वित्तसहित)	6–8	12
		मान्यताप्राप्त(वित्तविहीन)	6–8	51
4	हाईस्कूल	राजकीय	6–10	42
		मान्यताप्राप्त(वित्तसहित)	6–10	5
		मान्यताप्राप्त(वित्तविहीन)	6–10	2
		राजकीय	9–10	17
		मान्यताप्राप्त(वित्तविहीन)	9–10	1
5	इण्टरमीडिएट कॉलेज	राजकीय	6–12	97
		मान्यताप्राप्त(वित्तसहित)	6–12	12
		मान्यताप्राप्त(वित्तविहीन)	6–12	1
		राजकीय	9–12	1
		मान्यताप्राप्त(वित्तसहित)	9–12	1

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004.

१. ६–११ वय वर्ग के बच्चों के लिए उपलब्ध शिक्षण संस्थाएं

जनपद में 6 से 11 वय वर्ग के बच्चों के लिए वर्तमान में 1755 शिक्षण संस्थाएं संचालित हैं जिनमें 1 से 2 अथवा कक्षा 1 से 5 तक की कक्षाएं संचालित होती हैं अग्राकिंत तालिका से स्थिति स्पष्ट है–

जनपद में ६ से ११ वय वर्ग के बच्चों के लिए उपलब्ध शिक्षण संस्थाएं

(जहाँ कक्षा १ से कक्षा ५ तक की कक्षाएं संचालित होती है)

क्रमांक	विद्यालय का प्रकार	संख्या	अभ्युक्ति
1	परिषदीय प्राथमिक विद्यालय	1291	15 वर्ष 2003–04 में खुले.
2	मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालय	216	
3	राजकीय आदर्श विद्यालय	8	
4	विद्या केंद्र	226	
5	वैकल्पिक शिक्षा केंद्र	14	
	योग	1755	

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004.

२. ११–१४ वय वर्ग के बच्चों के लिए उपलब्ध शिक्षण संस्थाएं

जनपद में 11 से 14 वय वर्ग के बच्चों के लिए वर्तमान में 571 शिक्षण संस्थाएं संचालित हैं जिनमें 6 से 8 या 6 से 10 या 6 से 12 तक की कक्षाएं संचालित होती हैं अग्राकिंत तालिका से स्थिति स्पष्ट हैं–

जनपद में ११ से १४ वय वर्ग के बच्चों के लिए उपलब्ध शिक्षण संस्थाएं

(जहाँ कक्षा ६ से कक्षा ८ तक की कक्षाएं संचालित होती है)

क्रमांक	विद्यालय का प्रकार	संख्या	अभ्युक्ति
1	परिषदीय जूनियर हाईस्कूल	340	37 वर्ष 2003–04 में खुले.
2	मान्यता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल(वित्त सहित)	12	
3	मान्यता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल(वित्त विहिन)	51	
4	राजकीय आदर्श विद्यालय	7	
5	राजकीय हाईस्कूल	42	
6	मान्यता प्राप्त हाईस्कूल(वित्त विहिन)	02	
7	मान्यता प्राप्त हाईस्कूल(वित्त सहित)	05	
8	राजकीय इण्टर कालेज	97	
9	मान्यता प्राप्त इण्टर कालेज (वित्त सहित)	12	
10	मान्यता प्राप्त इण्ठर कालेज (वित्त विहिन)	01	
11	केन्द्रीय विद्यालय	01	
12	नवोदय विद्यालय	01	
	योग	571	

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004

छा. जनपद का छात्र–नामांकन परिदृश्य
जनपद में ०६ से १४ वय वर्ग के बच्चों के नामांकन की स्थिति
- - - - - - - - - - - - - - - - - - १. आयुवार नामांकन-

क. ६ से ११ वय वर्ग

जनपद में 6 से 11 वय वर्ग के कुल बच्चों की संख्या 91897 है, जिसमें से 91587 बच्चे विद्यालयों ं जाते हैं। **विद्यालय में न जाने वाले बच्चों की संख्या 310 है जिसमें बालिकाओं की संख्या 204 है।**

वर्ष	कुल बच्चे			विद्यालय न जाने वाले			एन०ई०आर०		
	बालक	*बालिका*	*योग*	*बालक*	*बालिका*	*योग*	*बालक*	*बालिका*	*योग*
2003–04	46845	45052	91897	106	204	310	99.77	99.55	99.66

स्रोत– हाउस–होल्ड सर्वे अपडेटिंग सितंबर 2004.

ख. ११ से १४ वय वर्ग

जनपद में 11 से 14 वय वर्ग के कुल बच्चों की संख्या 52206 है, जिसमें से 51762 बच्चे विद्यालयों ं जाते हैं। **विद्यालय में न जाने वाले बच्चों की संख्या 444 है जिसमें बालिकाओं की संख्या 317 है।**

वर्ष	कुल बच्चे			विद्यालय न जाने वाले			एन०ई०आर०		
	बालक	*बालिका*	*योग*	*बालक*	*बालिका*	*योग*	*बालक*	*बालिका*	*योग*
2003–04	26612	25594	52206	127	317	444	99.52	98.76	99.15

स्रोत– हाउस–होल्ड सर्वे अपडेटिंग सितंबर 2004.

वर्ष 2003– 2004 में जनपद का जी0ई0आर0 निम्नवत था –

जी०ई०आर० – २००३–०४

वय वर्ग	कुल बच्चे			जी०ई०आर०		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
6–11	46845	45052	91897	107.00	110.95	108.94
11–14	26612	25594	52206	83.70	83.83	83.76

स्रोत– हाउस–होल्ड सर्वे अपडेटिंग सितंबर 2004.

कुल नामांकन (एन०ई०आर०)

वर्ष	एन०ई०आर० कुल नामांकन अनुपात ६–११ वय वर्ग			एन०ई०आर० कुल नामांकन अनुपात ११–१४ वय वर्ग		
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1999–2000	93.88	91.00	92.46			
2000–2001	95.75	93.87	94.82	96.42	91.62	94.11
2001–2002	99.00	98.12	98.57	97.59	95.00	96.34
2002–2003	99.25	98.70	98.98	98.37	95.58	97.01
2003–2004	99.77	99.55	99.66	99.52	98.76	99.15

स्रोत– बेसिक शिक्षा अधिकारी टि0ग0.

सकल नामांकन (जी०ई०आर०)

वर्ष	जी०ई०आर० कुल नामांकन अनुपात ६–११ वय वर्ग			जी०ई०आर० कुल नामांकन अनुपात ११–१४ वय वर्ग		
	बालक	*बालिका*	*योग*	*बालक*	*बालिका*	*योग*
1999–2000	95.56	98.55	97.02			
2000–2001	97.02	99.62	98.29	96.42	91.62	94.11
2001–2002	108.11	111.60	109.84	97.42	95.39	96.44
2002–2003	104.81	109.23	106.99	83.89	84.41	84.14
2003–2004	107.00	110.95	108.94	83.70	83.83	83.76

स्रोत– बेसिक शिक्षा अधिकारी टि०ग०.

२. कक्षावार नामांकन (Classwice Enrollment) २००२–०३

क.१. कक्षावार छात्रसंख्या (प्राथमिक स्तर)

निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है कि 80.22 प्रतिशत बच्चे परिषदीय प्रा०वि०, रा०आ०वि० या विद्या केन्द्रों में तथा 19.78 प्रतिशत बच्चे मान्यता प्राप्त विद्यालयों में पंजीकृत है। बालिकाओं के मामले में सरकारी विद्यालयों में कुल बालिकाओं की 85.01 प्रतिशत बालिकाएं नामांकित है जबकि 14.99 प्रतिशत बालिकाएं एवं 24.56 प्रतिशत बालक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत है । परिषदीय प्रा०वि० में **प्रति विद्यालय 59.56** बच्चे पढते हैं।

विद्यालयवार छात्र संख्या (प्राथमिक स्तर)

क्र०स०	विद्यालय	कुल छात्र			प्रतिशत		
		बालक	*बालिका*	*योग*	*बालक*	*बालिका*	*योग*
1	सरकारी विद्यालय	37816	42493	80309	75.44	85.01	80.22
2	मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय	12308	7492	19800	24.56	14.99	19.78
	योग	50124	49985	100109	100.00	100.00	100.00

स्रोत– बेसिक शिक्षाधिकारी,टि०ग० 2003–2004 ।

जनपद का छात्र नामांकन वर्षवार (प्राथमिक स्तर)

क्र०	वर्ष	छात्र नामांकन		
		छात्र	*छात्रा*	*योग*
1	1999–2000	48389	48453	96842
2	2000–2001	49442	48890	98332
3	2001–2002	49291	49916	99207
4	2002–2003	49263	49981	99244
5	2003–2004	50124	49985	100109

स्रोत– बेसिक शिक्षाधिकारी,टि०ग० 2003–2004 ।

क.२. कक्षावार छात्रसंख्या (उच्च प्राथमिक स्तर)

जनपद में संचालित कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों में कुल छात्र संख्या - 43729- है, -जिसमें से - - प्रतिशत भाग बालकों का है, बालिकाओं का प्रतिशत है। परिषदीय उच्च प्रा0वि0 में **प्रति विद्यालय 54.92** बच्चे पढते हैं। अग्राकित तालिका से कक्षावार नामांकन की स्थिति स्पष्ट है–

विद्यालयवार छात्रसंख्या (उच्च प्राथमिक स्तर)
कक्षावार छात्रसंख्या (३० सितंबर २००३)

क्र.	विद्यालय	कक्षा–६		कक्षा–७		कक्षा–८		योग		
		बालक	*बालिकाr*	*बालक*	*बालिका*	*बालक*	*बालिका*	*बालक*	*बालिका*	*योग*
1.	जू0हा0	4023	3897	3813	3820	3654	3683	11490	11400	22890
2.	हा0व इं0का0	3933	3520	3442	3354	3409	3181	10784	10055	20839
योग		7956	7417	7255	7174	7063	6864	22274	21455	43729

स्रोत– बेसिक शिक्षाधिकारी एवं जि0वि0निरीक्षक टि0ग0 2003–2004।

जनपद का छात्र नामांकन वर्षावार (उच्च प्राथमिक स्तर)

क्र०	वर्ष	छात्र नामांकन		
		छात्र	छात्रा	योग
1	2001–2002	21218	19395	40613
2	2002–2003	20893	19929	40822
3	2003–2004	22274	21455	43729

स्रोत– बेसिक शिक्षाधिकारी एवं जि0वि0निरीक्षक टि0ग0 2003–2004।

ख. जातिवार नामांकन

१. प्राथमिक स्तर

वर्ग	कुल पंजीकृत छात्र			तुलनात्मक प्रतिशत	
	बालक	बालिका	योग	*2003–2004*	*2002–2003*
सामान्य	39398	39339	78737	78.65	78.73
अनु0जा0	9984	9946	19930	19.91	19.88
अनु0जन0जा0	23	16	39	.04	.02
पि0जाति	400	390	790	.80	.88
अल्प0सं0	306	283	589	.60	.49
योग	**50124**	**49985**	**100109**	**100.00**	**100.00**

स्रोत– विशेषज्ञ बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004।

२. उच्च प्राथमिक स्तर

वर्ग	कुल पंजीकृत छात्र			तुलनात्मक प्रतिशत	
	बालक	बालिका	योग	*2002–2003*	*2003–2004*
सामान्य	18296	18304	36600	84.48	83.70
अनु0जा0	3737	2896	6633	14.25	15.17
अनु0जन0जा0	24	18	42	.09	.09
पि0जाति	217	237	454	1.18	1.04
योग	**22274**	**21455**	**43729**	**100.00**	**100.00**

स्रोत– बेसिक शिक्षाधिकारी एवं जि0वि0निरीक्षक टि0ग0 2003–2004।

५. स्कूल अनुसार गाँव

क– प्राथमिक स्तर की शिक्षा सुविधा

जनपद के 1778 आबाद ग्रामों में स्थित 2514 बस्तियों में 1276 परिषदीय प्रा0विद्यालय, 173 मा0प्राप्त प्रा0विद्यालय, 10 रा0आ0विद्यालय, 201 विद्या केंद्र एवं 14 वै0शि0 केंद्र स्थित है। जनपद में 2243 बस्तियां ऐसी हैं जहॉ गॉव में या 1.00 कि0मी की परिधि में प्राथमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है। नीचे दी गयी तालिका से स्थिति स्पष्ट है–

वि०क्षे०	कुल बस्तियां	कुल बस्तियां (जहॉ गॉव में ही प्राथमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है)	कुल बस्तियां (जहॉ प्राथमिक शिक्षा की सुविधा १ कि०मी० से अधिक दूरी पर उपलब्ध है)	जी०ए०आर०
भिलंगना	409	386	23	94.38
चम्बा	252	216	36	85.71
देवप्रयाग	322	300	22	93.17
जाखणीधार	199	177	22	88.94
जौनपुर	326	292	34	89.57
कीर्तिनगर	270	237	33	87.78
नरेन्द्रनगर	378	295	83	78.04
प्रतापनगर	161	158	03	98.14
थौलधार	197	182	15	92.38
योग	**2514**	**2243**	**271**	**89.22**

स्रोत–हाउस–होल्ड सर्वे मई–जून 2002

ख– उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा सुविधा

जनपद के 1778 आबाद ग्रामों में स्थित 2514 बस्तियों में 303 परिषदीय जूनियर विद्यालय, 58 मा0प्राप्त जू0विद्यालय, 17 रा0आ0विद्यालय, 49 हाईस्कूल एवं 110 इण्टर कालेज स्थित है। जनपद में 2224 बस्तियां ऐसी हैं जहॉ गॉव में या 3.00 कि0मी की परिधि में उच्च प्राथमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है। नीचे दी गयी तालिका से स्थिति स्पष्ट हैं–

वि०क्षे०	कुल बस्तियां	कुल बस्तियां (जहॉ गॉव में ही उच्च प्राथमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है)	कुल बस्तियां (जहॉ उच्च प्राथमिक शिक्षा की सुविधा ३ कि०मी० से अधिक दूरी पर उपलब्ध है)	जी० ए० आर०
भिलंगना	409	375	34	91.69
चम्बा	252	233	19	92.46
देवप्रयाग	322	304	18	94.41
जाखणीधार	199	170	29	85.43
जौनपुर	326	274	52	84.05
कीर्तिनगर	270	246	24	91.11
नरेन्द्रनगर	378	279	99	73.07
प्रतापनगर	161	157	04	97.52
थौलधार	197	186	11	92.39
योग	**2514**	**2224**	**290**	**88.42**

स्रोत–हाउस–होल्ड सर्वे मई–जून 2002

६. छात्र अध्यापक अनुपात

क. प्राथमिक स्तर (कक्षा १ से ५ तक)

जनपद में परियोजना से पूर्व कुल 886 प्र0अ0 व 1917 सहायक अध्यापक के पद सृजित थे। वर्ष 2000–01 में 30, 2001–02 में 60 , वर्ष 2002–03 में 11 एवं वर्ष 2003–04 में 15 प्र0अ0 के पद परियोजनान्तर्गत स्वीकृत किये गये। अतः जनपद में कुल प्र0अ0 के सजित पदों की संख्या 1002 हैं। जबकि स्वीकृत 1917 स0अ0 के पदों में सें 30+60+11+15+90+115 = 321 पद (116 प्र0अ0 डी0पी0ई0पी0 के विद्यालयों में एवं 90 पद ओ0बी0बी0 के तहत जू0हा0 एवं 115 पद शिक्षा–मित्र) शासनादेश के कारण रिक्त रखे गये हैं। 299 शिक्षा मित्रों के पद परियोजना द्वारा एवं 115 शिक्षा मित्रों के पद उत्तराँचल सरकार द्वारा स्वीकृत हैं। जनपद में अध्यापकों की स्थिति निम्नवत है–

विवरण	कुल स्वीकृत प्र०अ० पद	कुल स्वीकृत सहा०अध्या० पद	कुल स्वीकृत शिक्षा–मित्र पद
शिक्षा विभाग	886	1917	115*
डी0पी0ई0पी0	116	–	299
योग	**1002**	**1917***	**414**

' 30+60+11+15=116 पद शासनादेश के कारण रिक्त रखे गये हैं।*115 पद शिक्षा–मित्र स्वीकृत किंतु रिक्त स0अ0 के पदों के विरुद्ध।

अतः जनपद में कुल स्वीकृत पद– **[1002+{1917-(116+90+115)}+414=3012]** हुए। इस प्रकार स्वीकृत अध्यापकों की संख्या पर जनपद का छात्र–अध्यापक अनुपात **9 सितम्बर 2003 को 1: 25.23** था।

जनपद के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों स्वीकृत अध्यापकों की दर सें छात्र अध्यापक अनुपात 9/2003 को 1:24.23 था। विकासखण्डवार स्थिति निम्नवत है–

जनपद	कुल परि०प्रा०वि० की छात्र संख्या	अध्यापकों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या	छात्र–अध्यापक अनुपात
टिहरी गढवाल	75998	3012	1:25.23

ब्लाकवार छात्र–अध्यापक अनुपात प्राथमिक स्तर २००३–०४

क्र०	वि०क्षे०	कुल परिषदीय प्राथमिक विद्यालय	कुल परि०प्रा०वि० की छात्र संख्या	छात्र–अध्यापक अनुपात
1	भिलंगना	216	15401	
2	चम्बा	124	6053	
3	देवप्रयाग	137	6881	
4	जाखणीधार	121	6582	
5	जौनपुर	169	9981	
6	कीर्तिनगर	124	5189	
7	नरेन्द्रनगर	149	10527	
8	प्रतापनगर	131	8883	
9	थौलधार	120	6205	
	योग	**1291**	**75702**	**1:24.38**

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004.

ख. उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा ६ से ८ तक)

जनपद में कुल संचालित 340 जूनियर हाईस्कूलों में 260 प्राधानाध्यापक एवं 993 सहायक अध्यापकों के पद (871 पूर्व से एवं 122 एस0एस0ए0 में) सहित कुल 1253 पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में 195 प्र0अ0 एवं 808 स0अ0 कुल 1003 अध्यापक कार्यरत है। 9/2003 को स्वीकृत अध्यापकों के दर पर छात्र–अध्यापक अनुपात 1:13.28 था।

विवरण	कुल स्वीकृत प्र०अ० पद	कुल स्वीकृत स०अ० पद	कुल स्वीकृत पद
शिक्षा विभाग	260	871	1131
एस0एस0ए0	–	122	122
योग	260	993	1253

9/2003 को स्वीकृत अध्यापकों के दर पर छात्र–अध्यापक अनुपात 1:13.28 था। ब्लाकवार कार्यरत अध्यापकों का विवरण निम्नवत है–

जनपद	कुल परि०उ०प्रा०वि० की छात्र संख्या	अध्यापकों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या	छात्र–अध्यापक अनुपात
टिहरी गढवाल	16641	1253	1:13.28

ब्लाकवार प्रति विद्यालय छात्र–अनुपात उच्च प्राथमिक स्तर २००२–०३

क्र०	वि०क्षे०	कुल परिषदीय उ०प्रा० विद्यालय	कुल परि०उ०प्रा०वि० की छात्र संख्या	छात्र–अध्यापक अनुपात
1	भिलंगना	59	3403	
2	चम्बा	31	1261	
3	देवप्रयाग	34	1422	
4	जाखणीधार	36	1781	
5	जौनपुर	46	2035	
6	कीर्तिनगर	26	986	
7	नरेन्द्रनगर	42	2446	
8	प्रतापनगर	34	1906	
9	थौलधार	32	1401	
	योग	**340**	**16641**	**1:13.28**

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004.

7. जनपद में भवन के अनुसार शिक्षण संस्थाएं

क. विकासखण्डवार परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति

जनपद में वर्तमान में प्राथमिक स्तर के 1755 एवं जू0हा0स्कूल स्तर की 571 शिक्षण संस्थाएं संचालित हैं। जिनमें प्राथमिक स्तर के 1291 एवं उच्च प्राथमिक स्तर के 340 परिषदीय विद्यालय हैं। भवन की उपलब्धता के अनुसार 1291 परिषदीय विद्यालय निम्नवत है–

ब्लाकवार भवन के अनुसार प्राथमिक विद्यालय

क्र० स०	वि०खा०	प्राथमिक स्तर के विद्यालयों की भवन की स्थिति					
		भवनहीन	*एककक्षीय*	*द्विकक्षीय*	*त्रि–कक्षीय*	*चार या चार से अधिक*	*योग*
1	भिलंगना	–	–	199	12	2	213
2	चम्बा	–	–	106	13	2	121
3	देवप्रयाग	–	–	115	17	3	135
4	जाखणीधार	–	2	107	11	2	122
5	जौनपुर	–	–	131	37	–	168
6	कीर्तिनगर	–	–	102	19	2	123
7	नरेन्द्रनगर	1	–	114	26	6	147
8	प्रतापनगर	–	–	119	09	–	129
9	थौलधार	2	6	89	20	2	118
योग		**03***	**08****	**1082*****	**154**	**19**	**1276 +15**

*2 विद्यालय टिहरी बांध डूब क्षेत्र में, **6 विद्यालय टिहरी बांध डूब क्षेत्र में एवं ***72 विद्यालय निर्माणाधीन।
स्रोत–ई0एम0आई0एस0 2001–2002 एवं बेसिक शिक्षाधिकारी टिहरी गढवाल 2003–04।

जीर्ण–शीर्ण एवं ध्वस्त परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति

जनपद में वर्तमान में संचालित 1291 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में से 101 डी0पी0ई0पी योजनान्तर्गत खुले हैं। 90 जीर्ण–शीर्ण भवनों का निर्माण डी0पी0ई0पी योजनान्तर्गत हुआ हैं। वर्तमान में 99 विद्यालय भवन जीर्ण–शीर्ण या ध्वस्त हैं, जिनका पुर्न–निर्माण आवश्यक है। 3 विद्यालय भवनहीन हैं, जिनमें से 2 विद्यालय टिहरी बांध डूब क्षेत्र में हैं शेष 01 भवनहीन विद्यालयों का निर्माण आवश्यक है। अग्राकिंत तालिका से विकासखंडवार इनकी स्थिति स्पष्ट है–

क्र०स०	वि०क्षे०	भवनहीन विद्यालय	जीर्ण-शीर्ण या ध्वस्त विद्यालय
1	भिलंगना	00	09
2	चम्बा	00	14
3	देवप्रयाग	00	15
4	जाखणीधार	00	12
5	जौनपुर	00	11
6	कीर्तिनगर	00	14
7	नरेन्द्रनगर	01	07
8	प्रतापनगर	00	06
9	थौलधार	02	11
	योग	**03**	**99**

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004।

ख. विकासखण्डवार परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति

जनपद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों की एक प्रमुख समस्या भवन का न होना है। 46.54 प्रतिशत विद्यालयों में भवन नहीं हैं। इन 141 भवनों में 14 के भवन का निर्माण पैक्स–फैड द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में ए भवनहीन विद्यालय समुदाय द्वारा उपलब्ध कराए गए निजी या पंचायती भवनों में संचालित हैं। भवन की उपलब्धता के अनुसार 340 परिषदीय उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों की स्थिति निम्नवत है–

ब्लाकवार भवन के अनुसार उच्च प्राथमिक विद्यालय

क्र०स०	विकास क्षेत्र	प्राथमिक स्तर के विद्यालयों की भवन की स्थिति					
		भवनहीन	*एक कक्षीय*	*द्वि कक्षीय*	*त्रि–कक्षीय*	*चार या चार से अधिक*	*योग*
1	भिलंगना	22	–	1	18	11	52
2	चम्बा	12	–	1	07	07	27
3	देवप्रयाग	16	–	1	09	03	29
4	जाखणीधार	16	–	3	08	05	32
5	जौनपुर	14	–	1	12	15	42
6	कीर्तिनगर	15	–	–	03	06	24
7	नरेन्द्रनगर	20	–	–	08	10	38
8	प्रतापनगर	13	–	–	10	08	31
9	थौलधार	13	–	–	09	06	28
Total		**141***	**00**	**07**	**84**	**71**	**303+37**

* 14 निर्माणाधीन पैक्स–फैड द्वारा एवं 2 ध्वस्त।

स्रोत–ई0एम0आई0एस0 2001–2002 एवं बेसिक शिक्षाधिकारी टिहरी गढवाल।

जीर्ण–शीर्ण एवं ध्वस्त भवन परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति

जनपद में वर्तमान में संचालित 303 परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। 14 भवनो का निर्माण पैक्स–फैड द्वारा हो रहा हैं। वर्तमान में 18 विद्यालय भवन जीर्ण–शीर्ण या ध्वस्त हैं व जिनका पुनर्निर्माण आवश्यक है। कुल 125 विद्यालय भवनहीन हैं, जिनका निर्माण आवश्यक है। वर्तमान में ए विद्यालय समुदाय द्वारा उपलब्ध कराए गए निजि या पंचायती भवनों पर संचालित हैं। अग्रांकित तालिका विकासखंडवार इनकी स्थिति स्पष्ट हैं–

क्र०स०	वि०क्षे०	भवनहीन विद्यालय	जीर्ण–शीर्ण या ध्वस्त विद्यालय	निर्माणाधीन
1	भिलंगना	19	2	3
2	चम्बा	11	1	1
3	देवप्रयाग	15	1	1
4	जाखणीधार	15	3	1
5	जौनपुर	14	2	–
6	कीर्तिनगर	10	1	5
7	नरेन्द्रनगर	19	6	1
8	प्रतापनगर	10	2	2
9	थौलधार	12	1	–
	योग	**125+37 नए**	**19**	**14**

स्रोत–बेसिक शिक्षाधिकारी,टि०ग० 2003–2004।

८. जनपद में विद्यालयों में सुविधाओं की उपलब्धता की

क. प्राथमिक स्तर (कक्षा १ से ५ तक)

जनपद में स्थित 1291 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में से मात्र 269 विद्यालयों में पेयजल की सुविधा प्रयोग के लिए उपलब्ध है। 130 में पेयजल डी0पी0ई0पी0 के अंतर्गत निर्माणाधीन हैं। शौचालय की सुविधायुक्त विद्यालयों की संख्या 580 है। चारहदीवारी युक्त विद्यालयों की संख्या 342 है। क्रीड़ागन की सुविधायुक्त विद्यालयों की संख्या 321 है।

क्र०स०	प्रकार	संख्या	प्रतिशत
1	शौचालय की सुविधायुक्त विद्यालय	580	44.93
2	पेयजल की सुविधायुक्त विद्यालय	269+130	30.91
3	चारहदीवारी युक्त विद्यालय	342	27.04
4	क्रीड़ागन की सुविधायुक्त विद्यालय	321	25.38

स्रोत–ई0एम0आई0एस0 2001–2002 एवं बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004।

ख– उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा ६ से ८ तक)

जनपद में स्थित 340 परिषदीय जूनियर हाईस्कूलों में से मात्र 62 विद्यालयों में पेयजल की सुविधा प्रयोग के लिए उपलब्ध है। शौचालय की सुविधायुक्त विद्यालयों की संख्या 176 है। 11 में शौचालय एस0एस0ए0 के अंतर्गत प्रस्तावित है। चारहदीवारी युक्त विद्यालयो की संख्या 53 है। 05 में चाहर दिवारी एस0एस0ए0 के अंतर्गत निर्माणाधीन है। क्रीड़ागन की सुविधायुक्त विद्यालयों की संख्या 48 है।

क्र०स०	प्रकार	संख्या	प्रतिशत
1	शौचालय की सुविधायुक्त विद्यालय	176+11	55.00
2	पेयजल की सुविधायुक्त विद्यालय	62	18.24
3	चारहदीवारी युक्त विद्यालय	53+5	17.06
4	क्रीड़ागन की सुविधायुक्त विद्यालय	48	15.84

स्रोत–ई0एम0आई0एस0 2001–2002एवं बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004।

जनपद में स्थित 303 जूनियर हाईस्कूलों में से मात्र 90 विद्यालय आप्रेशन ब्लैक–बोर्ड योजना से आच्छादित हैं। 04 विद्यालय नवम् वित्त आयोग एवं 12 विद्यालय दशम् वित्त आयोग के अन्तर्गत निर्मित है। ब्लाकवार इनकी स्थिति निम्नवत है–

क्र०स०	वि०ख०	परिषदीय जूनियर हाईस्कूल	योजनाओं से अच्छादित विद्यालय		
			O.B.B.	नवम/दशमवित्त	योग
1	भिलंगना	59	17	02	19
2	चम्बा	31	07	01	08
3	देवप्रयाग	34	08	01	09
4	जाखणीधार	36	09	04	13
5	जौनपुर	46	10	02	12
6	कीर्तिनगर	26	05	01	06
7	नरेन्द्रनगर	42	11	02	13
8	प्रतापनगर	34	13	02	15
9	थौलधार	32	10	01	11
योग		**340**	**90**	**16**	**106**

स्रोत– बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–2004।

१०. जिला परियोजना कार्यालय (डी०पी०ई०पी०)

जनपद में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम/सर्व शिक्षा अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला परियोजना कार्यालय की स्थापना की गई है। जिला परियोजना कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नियंत्रण कार्य करता है, जोकि इस कार्यालय का संचालन विशेषज्ञ बेसिक शिक्षा अधिकारी के पदनाम से करता है। विशेषज्ञ बेसिक शिक्षा अधिकारी की सहायता के लिए जिला परियोजना कार्यालय में चार समन्वयक व एक सहायक लेखाधिकारी प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है। इसके साथ ही लेखाधिकारी की सहायता के लिए एक लेखाकार, एक स्टेनो व एक लिपिक प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है।

जिला परियोजना कार्यालय में एम0आई0एस0 सेल की स्थापना भी की गई है । जिसमें एक कम्प्यूटर आपरेटर संविदा पर कार्यरत है। कार्यालय में कार्य करने हेतु एक चतुर्थ श्रेणि कर्मचारी की नियुक्ति की गई है।

जिला परियोजना कार्यालय स्टाफ विवरण

क्र०सं०	पद	पद स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	विशेषज्ञ बेसिक शिक्षा अधिकारी	01	01	–
2	समन्वयक	04	04	–
3	सहायक लेखाधिकारी	01	01	–
4	लेखाकार	01	01	–
5	आशुलिपिक	01	01	–
6	लिपिक	01	–	01
7	कम्प्यूटर आपरेटर	01	01	–
8	चतुर्थ श्रेणी	01	01	–

स्रोत– विशेषज्ञ बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग0 2003–04।

परियोजना के कुशल संचालन हेतु जनपद के सभी विकास खण्डों में विकासखंड संसाधन केन्द्र स्थापित किये गये हैं जिनमे एक समन्वयक तथा उनकी सहायता के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में दो सह–समन्वयकों की नियुक्ति की गई है। साथ ही पूरे जनपद में 76 न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र स्थापित किये गये हैं, जिनमें समन्वयकों की नियुक्ति की गई है। उपरोक्त का विवरण निम्नवत है–

क्र०सं०	पद	पद स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	बी0आर0सी0समन्वयक	09	09	.
2	बी0आर0सी0 सहसमन्वयक	18	17	.
3	एन0पी0आर0सी0 समन्वयक	76	73	.

स्रोत– विशेषज्ञ बेसिक शिक्षाधिकारी,टि0ग02003–2004।

११. जिला शिक्षा परियोजना समिति

जिला स्तर पर इस कार्यक्रम के पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण हेतु जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जिला शिक्षा परियोजना/अनुश्रवण समिति गठित है। मुख्य विकास अधिकारी इस समिति के पदेन उपाध्यक्ष एवं विशेषज्ञ बेसिक शिक्षा अधिकारी इस समिति के पदेन सदस्य सचिव हैं। इसमें पारित प्रस्तावों के अनुपालन में जिला परियोजना कार्यालय कार्य करता है। यह समिति मुख्यतः निम्नांकित कार्यों को करती है:–

- जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम/सर्व शिक्षा अभियान की सभी गतिविधियों के क्रियान्वयन का अनुश्रवण.
- जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम/सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यों की प्रगति का अनुश्रवण.
- निर्माण कार्यों के तकनीकी पर्यवेक्षण की व्यवस्था.
- जिला शिक्षा सूचना प्रणाली का विकास.
- जनपद में कार्यरत विभिन्न विभागों में समन्वयन की स्थापना.
- डायट एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी के मध्य समन्वयन की स्थापना.
- जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम/सर्व शिक्षा अभियान की विभिन्न गतिविधियों पर आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करना.

१२. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों के लिए समय–समय पर विभिन्न सेवारत प्रशिक्षणों का आयोजन करता है, उन्हें अकादमिक सहयोग प्रदान करता है। साथ ही डायट प्राथमिक प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्ति के लिए बी0टी0सी0 का सेवा पूर्व प्रशिक्षण भी आयोजित करता है। डायट का भवन मदन नेगी में बना है परन्तु वर्तमान में डायट नई टिहरी में संचालित है। जनपद में डायट में स्टाफ की स्थिति निम्नवत है–

क्र.सं.	पद	पद स्वीकृत	कार्यरत पद	रिक्त पद
1	प्राचार्य	01	01	–
2	उपाचार्य	01	00	01
3	वरिष्ठ प्रवक्ता	06	00	06
4	प्रवक्ता	17	17	–
5	कार्यानुभव शिक्षक	01	01	–
6	सांख्यिकार	01	–	01
7	पुस्तकालयाध्यक्ष	01	–	01
8	तकनीकी विशेषज्ञ	01	–	01
9	कार्यालय अधीक्षक	01	–	01
10	स्टेनो	01	–	01
11	लेखाकार	01	–	01
12	कनिष्ठ लिपिक	09	09	–
13	प्रयोगशाला सहायक	02	–	02
14	चतुर्थ श्रेणी	05	05	–

स्रोत– प्राचार्य,डायट टि0ग0 2003–2004.

अध्याय – दो

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–।।।
उद्देश्य एवं विशेषताएं

नई शिक्षा की कार्यनीति 1992 के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम एक उत्साहपूर्ण प्रयास रहा है। प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण में जहाँ बेसिक शिक्षा की भौतिक संरचना को सुगम बनाया जाना आवश्यक है, वहीं बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम आधारित पठन–पाठन की गुणवत्ता पर अधिक बल दिये जाने की आवश्यकता है। परियोजना में खासकर बालिकाओं, अनुसूचित जनजाति तथा विशिष्ठ आवश्यकता वाले बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु जनपद में 1 अप्रैल 2000 से जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- 6 से 11 वय वर्ग के सभी बच्चों के लिये प्राथमिक शिक्षा की पंहुच सुनिश्चित करना।
- प्राथमिक स्तर पर समस्त शालात्यागी बच्चों की दर 8 प्रतिशत तक कम करना।
- भाषा तथा गणित की दक्षताओं में 25 प्रतिशत तथा अन्य विषयों की दक्षताओं की सम्प्राप्ति में औसतन 40 प्रतिशत तक बृद्धि लाना।
- लिंग तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच नामांकन, शालात्यागी और अधिगम सम्प्राप्ति के अन्तर को 5 प्रतिशत तक कम करना।
- असेवित बस्तियों मे नवीन प्राथमिक विद्यालयों/वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों/विद्या केन्द्रों की स्थापना।
- अल्प संख्यक/अनु0जाति के बच्चों, बालिकाओं तथा बीच में पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों के लिये बैकल्पिक शिक्षा की व्यवस्था।
- प्राथमिक शिक्षा के विकास में समुदाय की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करना।

कार्यक्रम की विशेषताएं

- असेवित बस्तियों मे नवीन प्राथमिक विद्यालयों/वैकल्पिक शिक्षा केद्रों/विद्या-केद्रों की स्थापना।
- अल्प संख्यक/अनु0जाति के बच्चों, बालिकाओं तथा बीच में पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों के लिये बैकल्पिक शिक्षा की व्यवस्था।
- प्राथमिक विद्यालय के भवनों का पुनर्निर्माण, मरम्मत तथा रख–रखाव।
- प्राथमिक विद्यालयों में पेयजल तथा शौचालय की व्यवस्था तथा अतिरिक्त कक्षा–कक्षों का निर्माण।
- ग्राम शिक्षा समिति की प्राथमिक शिक्षा के प्रबन्धन तथा निर्माण कार्यो के सक्रिय भूमिका।
- ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण।
- शिक्षा की गुणवत्ता संवर्धन हेतु सेवारत शिक्षकों का प्रशिक्षण।
- समेकित बाल बिकास योजना द्वारा संचालित आंगनबाड़ियों में पूर्व प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था।
- प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को प्रतिवर्ष रू0 2000.00 का विद्यालय विकास अनुदान।
- प्रत्येक प्राथमिक शिक्षक को प्रतिवर्ष शिक्षण अधिगम सामग्री की तैयारी हेतु रू0 500.00 का अनुदान।
- अक्षम एवं बिकलांग बच्चों हेतु एकीकृत शिक्षा।
- दूर शिक्षा कार्यक्रम का विकास।
- नवाचार कार्यक्रमों को प्रमुखता।
- अनु0जाति, अनु0ज0जा0 के बच्चों तथा बालिकाओं के लिये निशुल्क पाठ्य पुस्तकों की व्यवस्था।
- माइक्रोप्लानिंग तथा स्कूल मैपिंग अभ्यास के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का नियोजन।
- नामांकन बृद्वि के फलस्वरूप अतिरिक्त शिक्षा मित्रों के पदों का सृजन, नये विद्यालयों हेतु प्रधानाध्यापक एवं शिक्षा मित्र के पदों का सृजन।
- स्वयं सेवी संस्थाओं तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं से सहयोग।
- प्राथमिक शिक्षा के बिकास में समुदाय की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करना।
- प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण।
- बिकास खण्ड स्तर पर ब्लाक संसाधन केन्द्रों (बी.आर.सी) की स्थापना।
- न्याय पंचायत स्तर पर न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रों (एन.पी.आर.सी.) की स्थापना।
- कम्प्यूटर आधारित सूचना प्रबन्धन प्रणाली की स्थापना।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान(डायट) का सुदृढीकरण।

अध्याय -- तीन

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम(डी०पी०ई०पी०) के अन्तर्गत अध्ययतन प्रगति एवं आगामी वर्षों की कार्य-योजना

क. पहुँच का विस्तार

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का पहला उद्देश्य 6 से 11 वय वर्ग के सभी बच्चों के लिये प्राथमिक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना है, जिससे शत-प्रतिशत नामांकन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इसके अंतर्गत असेवित बस्तियों में नवीन प्राथमिक विद्यालयों, वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों या विद्या केन्द्रों की स्थापना परियोजना के अंतर्गत की जाती है। जनपद में प्रारम्भिक शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए निम्नांकित प्रयास वर्ष 2000-01 से 2003-04 तक किये गये-

१. अतिरिक्त कक्षा-कक्ष निर्माण

जनपद में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 67 प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निर्माण एक-कक्षीय या अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में किया गया है। विद्यालयों में कक्षा-कक्षों के निर्माण हेतु प्रति कक्षा-कक्ष .70 लाख रुपये की दर से धनराशि ग्राम शिक्षा समिति को उपलब्ध करायी गयी। निर्माण हेतु 40 प्रतिशत अंशदान (रु0 28.00हजार) परियोजना द्वारा एवं शेष 60 प्रतिशत पी0एम0जी0वाई0 द्वारा उपलब्ध कराया गया है। लक्ष्य के सापेक्ष 67 प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	अतिरिक्त कक्षा-कक्ष का निर्माण	67	67	-	-

२. नवीन प्राथमिक विद्यालय

जनपद में प्राथमिक शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए परियोजना के अन्तर्गत असेवित बस्तियों में नवीन प्राथमिक विद्यालय खोलने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अन्तर्गत वर्ष 2003-2004 तक जनपद की 116 बस्तियों में प्राथमिक विद्यालय खोले गए हैं। नवीन खुले विद्यालयों के भवन निर्माण हेतु प्रति विद्यालय 1.91 लाख रुपये की दर से धनराशि ग्राम शिक्षा समिति को उपलब्ध करायी जाती है, जिसका 40 प्रतिशत अंशदान (रु0 76.40 हजार) परियोजना द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

योजना के अंतर्गत खुले प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षणिक सामग्री की पूर्ति हेतु रु0 10000.00 प्रति विद्यालय की दर से धनराशि परियोजना के द्वारा ग्राम शिक्षा समितियों को उपलब्ध कराई जाती है।

योजना के अंतर्गत खुले प्राथमिक विद्यालयों में एक प्रधानाध्यापक व एक शिक्षा-मित्र की व्यवस्था की गयी है, साथ ही एक शिक्षा-मित्र की व्यवस्था उस विद्यालय में की गयी है जहां से अध्यापक जिला प्राथमिक

शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत खुले प्राथमिक विद्यालय में प्रौन्नत किया जाता है। शिक्षा–मित्र का चयन ग्राम शिक्षा समिति द्वारा किया जाता है। ग्राम शिक्षा समिति द्वारा चयनित शिक्षा मित्र को एक माह का आवासीय प्रशिक्षण डायट द्वारा दिया जाता है। शिक्षा मित्र को दस माह की संविदा पर रखा जाता है। शिक्षा मित्र द्वारा संतोषजनक रूप से कार्यकरने पर उसे ग्राम शिक्षा समिति द्वारा पुनः संविदा पर रखा जा सकता है, ऐसी स्थिति में उसे 15 दिन का आवासीय पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण डायट द्वारा दिया जाता है। शिक्षा मित्र के रूप में कार्य करने पर उसे 3000.00 रूपये प्रतिमाह मानदेय के रुप में दिया जाता है। मानदेय का भुगतान ग्राम शिक्षा समिति द्वारा किया जाता है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	नवीन प्राथमिक विद्यालय खोलना	122	116	–	–
2	नवीन प्राथमिक विद्यालयों में साज–सज्जा	122	90	26	–
3	नवीन प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा–मित्र	122	116	–	–
4	नवीन प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक	–	116	–	116

३. शिक्षा–गारण्टी योजना

शिक्षा गारन्टी योजना/वैकल्पिक शिक्षा/नवाचार योजना में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत 6 से 11 वय वर्ग के बच्चों को शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराना या फिर बीच में विद्यालय छोड़ने वाले या अधिक उम्र वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना है। परियोजना अन्तर्गत जनपद में ऐसी बस्तियों में शिक्षा गाारन्टी योजना के अन्तर्गत वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों को खोले गए है जो बस्तियां पूर्ण विद्यालय खोलने के निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करती थी। वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों के लिए शैक्षणिक सामग्री एवं इन केन्द्रों में पढने वाले बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तकों की व्यवस्था परियोजना के द्वारा की जाती है। इसके अन्तर्गत अब तक 226 बस्तियों में 226 विद्या–केन्द्र एवं 14 में 14 वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र खोल दिये गये हैं। ग्राम शिक्षा समिति द्वारा चयनित आचार्य को एक माह का आवासीय प्रशिक्षण डायट द्वारा दिया जाता है। आचार्यजी को दस माह की संविदा पर रखा जाता है। आचार्यजी द्वारा संतोषजनक रूप से कार्यकरने पर उसे ग्राम शिक्षा समिति द्वारा पुनः संविदा पर रखा जा सकता है, ऐसी स्थिति में उसे 15 दिन का आवासीय पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण डायट द्वारा दिया जाता है। आचार्यजी के रूप में कार्य करने पर उसे 1000 रूपये प्रतिमाह मानदेय के रुप में दिया जाता है। मानदेय का भुगतान ग्राम शिक्षा समितियों द्वारा किया जाता है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	वैकल्पिक शिक्षा केंद्र	14	14	–	
2	विद्या–केन्द्र	223	226	–	06
3	ब्रिजकोर्स		01	–	01

ख. ठहराव सुनिश्चितिकरण

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण उद्देश्य है विद्यालय में पंजीकृत सभी बच्चे अपनी प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही विद्यालय छोड़ें। इसके अंतर्गत समस्त शालात्यागी बच्चों की दर 8 प्रतिशत तक लाना है। जनपद में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा की भौतिक एवं बौद्धिक संरचना में उल्लेखनीय विकास हुआ हैं। जनपद में नामांकन की अपेक्षा धारण पर अधिक कार्य किये जाने की आवश्यक्ता महशूस की जा रही है। जनपद में इस उद्देश्य की प्राप्ती के लिए निम्नांकित गतिविधियां आयोजित की गयी हैं–

१. वातावरण सृजन

वातावरण सृजन एवं सरकारी कार्यक्रमों में समुदाय की सहभागिता एक चुनौतिपूर्ण कार्य है। यह एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है। जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत समुदाय को प्रारम्भिक शिक्षा से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के माध्यमों जैसे– कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं गोष्ठियों आदि के माध्यम से जनता को जागरूक बनाया जा रहा है। समुदाय के सदस्यों को प्रशिक्षण के माध्यम से यह बताया जाएगा कि प्रारंभिक शिक्षा का प्रबन्ध समुदाय स्वयं कर सकता हैं, जिसके आशातीत परिणाम मिल रहे है। ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों को प्रशिक्षण के दौरान उनके कर्त्तव्यों, उत्तरदायित्वों की जानकारी दी जाती है। जनपद में 896 ग्राम शिक्षा समितियां एवं 1563 स्कूल प्रबन्धन समितियां गठित हैं। इसके अतिरिक्त 266 मातृ–अध्यापक संघ (ममता) भी गठित हैं। ये सभी एक स्वयं सेवी समूह हैं। जनपद में समुदाय की सहभागिता प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं:–

- **समय–समय पर सरकारी एवं स्वयं सेवी संगठनों के साथ बैठकें एवं कार्यशालाएं।**
- **ग्राम शिक्षा समितियों का गठन एवं उनकी नियमित मासिक बैठकें।**
- **स्कूल प्रबन्धन समितियों का गठन एवं नियमित मासिक बैठकें।**
- **डी0आर0जी0 एवं बी0आर0जी0 का गठन, प्रशिक्षण एवं उसकी बैठकें।**
- **ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण।**
- **मीना कम्पैन एवं नुक्कड़ नाटकों का आयोजन।**
- **दीवार–लेखन।**
- **समाचार पत्रों के द्वारा।**
- **स्कूल चलो अभियान।**
- **अभिभावकों से व्यक्तिगत सम्पर्क।**
- **बाल–मेंलों का आयोजन।**
- **वी0ई0सी0 मेंलों का अयोजन।**
- **मां–बेटी मेंलों का अयोजन।**
- **स्थानीय पर्वो व मेंलों में प्रचार–प्रसार सामग्री का वितरण।**
- **स्वयं–सेवी संस्थाओं से सहायता।**
- **न्यूज लेटर का प्रकाशन।**

२. स्कूल चलो अभियान

- - - - - - गत दो वर्षों से जनपद में स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है, स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य शत–प्रतिशत नामांकन के लक्ष्य को प्राप्त करना है। इस हेतु जनपद, ब्लाक–स्तर एवं स्कूल पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये है:–

- **बालगणना (स्कूल न जाने वाले बच्चों की पहचान.)**
- **विद्यालय न जाने वाले बच्चों का विद्यालयों में नामांकन.**
- **अभिभावक एवं जन संपर्क.**
- **ग्राम शिक्षा समिति एवं विद्यालय प्रबंध समिति की बैठकें.**
- **निःशुल्क पाठ्य–पुस्तक वितरण.**
- **प्रभात फेरियां एवं रैलियां, विचार गोष्ठियां.**
- **एन0पी0आर0सी0 पर अध्यापकों की बैठकें.**
- **निःशुल्क पाठ्य–पुस्तक वितरण.**
- **बी0आर0जी0 एवं डी0आर0सी0 की बैठक.**
- **सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारियों, बी0आर0सी0 समन्वयकों की बैठकें।**

S.N.	Year	Total Enrolment			GER
		Boys	*Girls*	*Total*	
1	1999-2000	48389	48453	96842	97.02
2	2000-2001	49442	48890	98332	98.29
3	2001-2002	49291	49116	99207	109.84
4	2002-2003	49263	49981	99244	106.99
5	2003-2004	50124	49985	100109	108.94

३. न्यूजलेटर

वातावरण सृजन एवं कार्यक्रमों की जानकारी समुदाय को देने के लिए जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद की वार्षिक पत्रिका "पहल" का प्रकाशन किया जा रहा है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	न्यूज–लेंटर का प्रकाशन	–	1	1	1

४. भवन पुन–निर्माण

जनपद में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 90 जीर्ण–शीर्ण प्राथमिक विद्यालयों के भवन निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। इन विद्यालयों के भवन निर्माण हेतु प्रति विद्यालय 1.91 लाख रुपये की दर से धनराशि ग्राम शिक्षा समिति को उपलब्ध कराया गयी। निर्माण हेतु 40 प्रतिशत अंशदान (रु0 76.4 हजार) परियोजना द्वारा एवं शेष 60 प्रतिशत पी0एम0जी0वाई0 द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। लक्ष्य के सापेक्ष 90 प्राथमिक विद्यालयों का पुनर्निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

५. शौचालय निर्माण

जनपद में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 200 प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 200 विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। विद्यालयों में शौचालय के निर्माण हेतु प्रति शौचालय .10 लाख रुपये का दर से धनराशि ग्राम शिक्षा समिति को उपलब्ध करायी गयी।

६. पेयजल निर्माण

जनपद में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 200 प्राथमिक विद्यालयों में पेयजल के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। 178 विद्यालयों में पेयजल के निर्माण हेतु प्रति विद्यालय .22 लाख रुपये की दर से धनराशि ग्राम शिक्षा समिति को उपलब्ध करायी जा चुकी है। निर्माण हेतु सम्पूर्ण अंशदान (रु0 22.00हजार) परियोजना द्वारा उपलब्ध कराया गया है।

७. भवन मरम्मत

जनपद में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 390 प्राथमिक विद्यालयों में मरम्मत का लक्ष्य रखा गया था। 390 विद्यालयों में मरम्मत हेतु प्रति विद्यालय .20 लाख रुपये की दर से धनराशि ग्राम शिक्षा समिति को उपलब्ध करा कर मरम्मत कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	प्राथमिक विद्यालय भवन पुर्न–निर्माण	90	90	–	–
2	प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय निर्माण	200	200	41	41
3	प्राथमिक विद्यालयों में पेयजल निर्माण	200	178	25	03
4	प्राथमिक विद्यालयों में मरममत कार्य	390	390	–	–

८. बालिका शिक्षा

बच्चों की कुल संख्या के सापेक्ष बालिकाओं की संख्या लगभग आधी है। फिर भी जिस अनुपात में बालिकाओं का नामांकन/ठहराव विद्यालयो में होना चाहिए उस लक्ष्य से हम अभी काफी पीछे हैं। हालांकि जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के संचालित होने के पश्चात बालिकाओं के नामांकन मेा उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। फिर भी यह बालकों के अपेक्षा कम है। जनपद में बालिका शिक्षा का स्तर उठाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं–

- **सामुदायिक सहभागिता हेतु ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण।**
- **विद्यालयों में ममता, एस0एम0सी0 एवं एम0टी0ए0/पी0टी0ए0 का गठन।**
- **विद्यालयों गठित एम0टी0ए0/पी0टी0ए0 के सदस्यों का प्रशिक्षण।**
- **महिला प्रेरक समुहो का गठन व प्रशिक्षण**
- **ग्राम पंचायत की चयनित महिलाओं का प्रशिक्षण/कार्यशालाएं।**
- **अध्यापकों का लिंग संवेदीकरण प्रशिक्षण।**
- **कला–जत्था/ मीना कैम्पैन कार्यक्रम।**
- **निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण।**

- अभिभावक शिक्षक संघों की प्रतिमाह बैठकें।
- मॉ–बेटी मेंलों का आयोजन।
- ग्राम शिक्षा समितियों की कार्यशालाएं।
- ठहराव प्रक्रिया तथा तारांकन अभियान।
- शिशु शिक्षा केन्द्रों की स्थापना एवं सुदृढीकरण
- महिला समाख्या से कन्वर्जेन्स।
- स्वयं सेवी संगठनों, शिक्षा विदो से सहयोग।

बालिका शिक्षा के उन्नयन एवं विकास हेतु जनपद में न्याय पंचायत स्तर पर 15 न्याय पंचायतों में आदर्श संकुल–विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। छात्र–छात्राओं के शत–प्रतिशत नामांकन हेतु इन संकुलों में वातावरण सृजन के तहत मां–बेटी मेला, न्याय पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायतों की कार्यशालाएं, मीना–कैम्पेन, बाल–मेला, ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण एवं माइक्रोप्लानिंग एवं ग्राम शिक्षा योजना निर्माण का कार्य किया गया। इन क्लस्टरों में प्रत्येक विद्यालय में ममता समूह का गठन एवं ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम शिक्षा समितियों का गठन किया गया है।

९. स्वास्थ्य परीक्षण

जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में स्वास्थ्य विभाग के सहयोंग से बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कार्य सम्पादित किया जाता है। परियोजना के द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के अभिलेखीकरण हेतु प्रत्येक बच्चे का स्वास्थ्य कार्ड बनाकर बच्चे को दिया गया। जो बच्चे विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त पाये गये उन्हें बीमारी की स्थिति के अनुरूप गुलाबी, पीला व हरा संदर्भ कार्ड क्रमशः अतिगम्भीर, कम गम्भीर व साधारण रोग की पहचान हेतु बनाकर दिये गये।

१०. बाल मेला

जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में पढने वाले बच्चों की प्रतिभागाओं के प्रदर्शन हेतु न्यायपंचायत स्तर पर बाल मेलों का आयोजन किया जाता है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	बाल मेला	228	76	–	–

ग. गुणवत्ता संवर्धन

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नामांकन, ठहराव तथा गुणवत्ता संवर्धन है। इस हेतु जनपद स्तर पर प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में विकास करने क लिए डायट, ब्लॉक संसाधन केन्द्र तथा न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। जिसका लक्ष्य विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता मे वृद्धि करना है। जिससे विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों की शैक्षिक सम्प्राप्ति के स्तर में सुधार लाया जा सके। वर्तमान में प्राथमिक स्तर पर गुणवत्ता संवर्धन हेतु निम्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं :–

- **एन0पी0आर0सी0, बी0आर0सी0 तथा डायट स्तर पर प्रतिमाह बच्चों के पाठ्यक्रम पर आधारित समस्याओ तथा पैडागोजी पर चर्चा एवं निदान।**
- **पाठ्यक्रम, बालिका शिक्षा, सामुदायिक शिक्षा एवं विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा पर आधारित प्रशिक्षण माड्यूल पर आधारित शिक्षक प्रशिक्षण।**
- **अध्यापकों का बहुउद्देशीय सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण।**
- **जिला संदर्भ समूह एवं विकासखण्ड संदर्भ समूहों का गठन, उनका प्रशिक्षण एवं बैठकों में विभिन्न विषयों पर चर्चा।**
- **ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण एवं नियमित मासिक बैठकें।**
- **बी0आर0सी0, एम0पी0आर0सी0 समन्वयकों का प्रशिक्षण, विजनिंग एवं पुनर्बोधात्मक कार्यशालाएं।**
- **डी0पी0ओ0 अभिकमियों एवं सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारीयों का प्रशिक्षण, विजनिंग एवं पुनर्बोधात्मक कार्यशालाएं।**
- **विभिन्न कार्यशालायें/ सेमिनारों का आयोजन।**
- **महिला प्रेरक समूह, माता शिक्षक संघ एवं एस0एम0सी0 का गठन ओर प्रशिक्षण एवं नियमित बैठकें।**
- **आचार्यो/अनुदेशकों एवं शिक्षा मित्रों का अभिनवीकरण एवं पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण।**
- **शोध एवं क्रियात्मक शोध।**
- **विद्यालयों का कोटि–करण।**
- **वर्ष भर अच्छा कार्य करने वाले अध्यापक/अध्यापिका को दक्षता सम्मान।**
- **टी0एल0एम0 विकास हेतु कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण।**
- **टी0एल0एम0 प्रदर्शनी मेला एवं प्रतियोगिताएं।**
- **बाल मेला एवं प्रतियोगिताएं।**
- **ई0सी0सी0ई0 केन्द्रों की स्थापना एवं सुदृढीकरण।**
- **ग्राम शिक्षा समितियों को निर्माण कार्यो का प्रशिक्षण।**
- **विद्यालयों को विद्यालय विकास अनुदान।**
- **प्राथमिक विद्यालयों में बुक–बैंकों की स्थापना।**
- **शिक्षकों को टी0एल0एम0 अनुदान।**

१. पूर्व–प्राथमिक शिक्षा

स्कूली–शिक्षा की प्रारम्भिक तैयारी के रुप में समेकित बाल विकास विभाग के साथ समन्वयन स्थापित करते हुये परियोजना के प्रथम वर्ष में 98 आगनबाड़ी केन्द्रों एवं द्वितीय वर्ष में 102 केद्रों को ई0सी0सी0ई0 केन्द्रों के रुप में चयनित किया गया जिनमें से 198 कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण कर केन्द्र संचालित कर दिये गये, इन केन्द्रों की कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को क्रमशः रु0 250.00 व रु0 125.00 का मानदेय परियोजना द्वारा दिया जाता है। साथ ही केन्द्रों की साज सज्जा एवं बच्चों के लिए खिलौनों हेतु रु0 5000.00 प्रति केन्द्र एक बार एवं आकस्मिक व्यय हेतु रु0 1500.00 प्रति केन्द्र प्रति वर्ष दिया जाता है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	ई0सी0सी0ई0 केंद्र	200	198	02	–

२. विजनिंग कार्यशलाएं

Sl.No.	Visioning Workshop	From	To	No. of Participant
1	First	15-07-2000	18-07-2000	45
2	Second	21-07-2000	24-07-2000	42
3	Third	19-09-2000	23-09-2000	48
4	Fourth	29-09-2000	30-09-2000	45
Total				180

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	विजनिंग कार्यशालाएं		4		04

३. ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण

विद्यालय विकास हेतु समुदाय का सहयोंग प्राप्त करने एवम् ग्राम शिक्षा समितियों को सक्रिय करने के उद्देश्य से जनपद में वर्ष 2000–01 में कुल गठित 758 ग्राम शिक्षा समितियों में से 350 ग्राम शिक्षा समितियों के 8324 सदस्यों को ग्राम सभा स्तर पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। वर्ष 2001–02 में 412 ग्राम शिक्षा समितियों के 12369 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया। वर्ष 2003–04 में 400 ग्राम शिक्षा समितियों को प्रशिक्षित किया गया है। जनपद में समुदायों को प्रारम्भिक शिक्षा से जोड़ने एवं ग्राम स्तर पर शैक्षिक योजना तैयार करने हेतु ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों को यह प्रशिक्षण दिया जाता है। ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों को प्रशिक्षित करने का मुख्य उद्देश्य है:–

- विद्यालय एवं ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों के मध्य धनात्मक समन्वयन स्थापित करना ताकि विद्यालय में संसाधनों का विकास हो, शैक्षणिक गुणवत्ता का संवर्धन हो
- ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों को प्राथमिक शिक्षा, उसके सार्वजनिकरण विशेष रूप से बालिका शिक्षा एवं वंचित वर्ग की शिक्षा के लिए वातावरण निर्माण में सक्रिय योगदान करने के संदर्भ में सुग्राहित/अभिप्रेरित करना।
- विकेन्द्रीकृत नियोजन के अन्तर्गत सूक्ष्म नियोजन एवं विद्यालय मानचित्रण के अभ्यास के द्वारा ग्राम शिक्षा योजना तैयार करने की दक्षता विकसित करना।
- आकर्षक विद्यालय परिवेश/कक्षा निर्माण, रुचिपूर्ण माहौल, विद्यालय संचालन में ग्राम शिक्षा समिति/स्कूल प्रबंध समिति के योगदान के लिए सुग्राहित/जागरूक करना।

- अन्तर्क्षेत्रीय समन्वयन, सहयोग तथा शिक्षा के लिए वित्तीय तथा अन्य संसाधन जुटाने के लिए मानसिक रूप से तैयार करना।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	गाम शिक्षा समिति की कार्यशालाएं	1910	1158	500	–

४. ब्लाक एवं जिला–संदर्भ–समूह

प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में रूची रखने वाले समाजसेवी, स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं, सेवानिवृत्त शिक्षकों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने के लिए जनपद के प्रत्येक ब्लाक में ब्लाक–स्तर पर 30 सदस्यीय ब्लाक–संदर्भ–समूह एवं जिला–स्तर पर 35 सदस्यीय जिला–संदर्भ–समूह गठित किए गए हैं। प्रशिक्षित ब्लाक संदर्भ समूह के सदस्यों द्वारा ग्राम शिक्षा समितियों को प्रशिक्षित किया जाता है। इन समूहों की त्रैमासिक बैठक कमशः ब्लाक एवं जिला–स्तर पर की जाती है। इन बैठकों में में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत चलाए जा रहे विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की समीक्षा एवं भविष्य की कार्य योजना व प्राथमिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाती है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	जिला संदर्भ समूह का प्रशिक्षण		02	–	02
2	ब्लाक संदर्भ समूह का प्रशिक्षण		19	1	20
3	जिला संदर्भ समूह की बैठकें		3	1	04
4	ब्लाक संदर्भ समूह की बैठकें		27	9	36

५. बी०आर०सी० एवं एन०पी०आर०सी० समन्वयक प्रशिक्षण

No. of Blocks	BRC Coordinators in Place	BRC Co-Coordinators in Place	No. of Nyay-Panchayat	NPRC Coordinators in Place
9	9	18	76	76

S.N.	Activity	Training	
		Target	*Achieve.*
1	BRC Co-ordinator Trg.(Adharbhoot Trg.)	09	09
2	BRC Co.Co-ordinator Trg.	18	18
3	NPRC Co-ordinator Trg.	76	76

६. अध्यापक प्रशिक्षण

शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु परियोजना के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का सेवारत प्रशिक्षण प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर किया जाता है। वर्ष 2001–02 में 2284 शिक्षकों की साधन माड्यूल पर नवीन पाठ्य पुस्तकों पर आधारित 8 दिवसीय प्रशिक्षण बी0आर0सी0 पर दिया गया। इस के साथ ही बी0आर0सी0 एवं एन0पी0आर0सी0 स्तर पर नियुक्त समन्वयकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी वर्ष 2001–02 में

संपादित किया गया। वर्ष 2002–03 में सभी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को कठिन स्थलों पर आधारित 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है।

Activity	Year	Training	
		Target	*Achieve.*
Master Trainers	2001-02	32	32
	2002-03	32	32
	2003-04	32	
Teachers Training	2001-02	2420	2382
	2002-03	2560	2293
	2003-04		

७. निर्माण कार्यों का प्रशिक्षण

विद्यालयों में होने वाले विविध निर्माण कार्यो के उचित सम्पादन हेतु तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। आर0ई0एस0 एवं लघु सिंचाई के अभियंताओं द्वारा जिला एवं विकास खंड स्तर पर एक दिन ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों को निर्माण कार्य सम्बन्धी तकनिकी जानकारी दी जाती है। वर्ष 2000–01 में ऐसे 10 एवं वर्ष 2001–02 में 09 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए।

८. विद्यालय विकास अनुदान

परियोजनान्तर्गत विद्यालयों की साज–सज्जा हेतु प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को प्रतिवर्ष रु 2000.00 का अनुदान दिया जाता है। यह अनुदान ग्राम शिक्षा समिति के माध्यम से दिया जाता है। वर्ष 2000–01 में 1174, वर्ष 2001–02 में 1166, वर्ष 2002–2003 में 1213 एवं वर्ष 2003–2004 में 1257 प्राथमिक विद्यालयों को यह अनुदान दिया गया है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	विद्यालय विकास अनुदान	5060	4809	2568	2317

९. अध्यापक अनुदान

परियोजना के अन्तर्गत शिक्षण अधिगम एवं शिक्षण सहायक सामग्री के निर्माण हेतु प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत प्रत्येक अध्यापक को प्रत्येक वर्ष रु0 500.00 का अनुदान दिया जाता है। शिक्षकों द्वारा तैयार किये गये शिक्षण अधिगम/सहायक सामग्री का प्रयोग कक्षा शिक्षण को रूचिपूर्ण एवं प्रभावी बनाने में किया जाता है। शिक्षकों द्वारा निर्मित सामग्री का प्रदर्शन एन0पी0आर0सी0, बी0आर0सी0 एवं जिला स्तर पर आयोजित टी0एल0एम0 मेंले में भी किया जाता है। इस प्रदर्शन का उद्देश्य शिक्षकों में टी0एल0एम0 निर्माण के प्रति रुचि जागृत करना, एक दूसरे के अनुभवों से लाभ उठाना है। वर्ष 2001–02 में 2392 अध्यापकों, वर्ष 2002–03 में 289 शिक्षा–मित्रों सहित 2666 अध्यापकों एवं वर्ष 2003–04 में 290 शिक्षा–मित्रों सहित 2492 अध्यापकों को यह अनुदान दिया गया है।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	अध्यापक अनुदान	11788	7552	6218	1982

१०. निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण

परियोजना के द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सभी छात्रों एवं अन्यवर्ग की सभी बालिकाओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की जाती हैं। वर्ष 2000–2001 में 62004 छात्रों को वर्ष 2001–02 में 53761 छात्र/छात्राओं को लाभन्वित किया गया, वर्ष 2002–03 में 54250 छात्र/छात्राओं एवं वश्ज्ञ 2003–04 में 55984 छात्र/छात्राओं को को लाभन्वित किया गया ।

क्र0 स0	गतिविधि	लक्ष्य	मार्च 2004 तक प्राप्ती	शेष समय हेतु	अतिरिक्त आवश्यक्ता
1	निःशुल्क पाठ्यपुस्तक	288211	225999	108575	46363

१४. विद्यालय मूल्यांकन व कोटीकरण

शिक्षा में गुणात्मक सुधार के मापन हेतु परियोजना के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों एवं विद्याकेंद्रों का कोटीकरण का कार्य संपादित किया जा रहा है। विद्यालय मूल्यांकन व कोटीकरण प्रपत्र का उद्देश्य बहुआयामी है। विद्यालय के मूल्यांकन तथा कोटीकरण का लक्ष्य विद्यालय की स्थिति तथा छात्र सम्प्राप्ति की स्थिति में निरन्तर सुधार लाना हैं। मूल्यांकन व कोटीकरण प्रपत्र के दो भाग हैं। भाग 'अ' विद्यालय की स्थिति से संबंधित है इस हेतु अंक विभाजन का कुल योग 100 है। भाग 'ब' विद्यालय के साध्य छात्र सम्प्राप्ति से सम्बधित है, इस हेतु अंक विभाजन का कुल योग 100 है। विद्यालय कोटीकरण हेतु भाग 'अ' व 'ब' के अनुसार प्राप्त कोटीकरण को कमशः पृथक–पृथक अंकित किया जाता है, यथा AA, AB, BA इत्यादि। कोटीकरण के उद्देश्य से विद्यालय का मूल्यांकन वर्ष में तीन बार किया जाएगा। प्रथम मूल्यांकन जुलाई से सितम्बर की अवधि में, द्वितीय मूल्यांकन अक्टूबर से दिसम्बर की अवधि में, तृतीय मूल्यांकन फरवरी से अप्रैल की अवधि में किया जायेगा। विद्यालय कोटीकरण प्रपत्र दो प्रतियों में किया जायेगा, एक प्रति मूल्यांकनकर्ता (समन्वयक एन0पी0आर0सी0)के पास तथा दूसरी प्रति विद्यालय में सुरक्षित रखी जाती हैं।

१५. टी०एल०एम० मेला

शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु परियोजना के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रति वर्ष रु0 500.00 का अनुदान दिया जाता है। प्रत्येक वर्ष शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए टी0एल0एम0 की प्रदर्शनी न्याय पंचायत, ब्लाक एवं जिला स्तर पर टी0एल0एम0 मेले का आयोजन किया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए टी0एल0एम0 की जानकारी एवं उसे बनाने की विधि दूसरे शिक्षकों को देना है।

घ. क्षमता विकास

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर कार्यरत संस्थाओं की क्षमता का संवर्धन करना भी है। इसके अंतर्गत जनपद में:–

१. स्कूल मानचित्रीकरण एवं सूक्ष्म नियोजन

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत धरातलीय वास्तविकताओं का पता लगाने एवं तद्नुरूप योजना बनाने हेतु प्रशिक्षित ग्राम शिक्षा समितियों की सहायता से स्कूल मानचित्रण एवं माइक्रोप्लानिंग का कार्य किया गया है, प्रपत्र मुद्रण एवं माइक्रोप्लानिंग का कार्य किया गया।

२. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

डायट जनपद में स्थित शिक्षण संस्थाओं को अकादमिक सहयोग प्रदान करता है। डायट द्वारा संदर्भ व्यक्तियों का चयन एवं प्रशिक्षण का कार्य, सेवारत अध्यापक प्रशिक्षण, शिक्षा मित्र प्रशिक्षण, आचार्यजी/अनुदेशक प्रशिक्षण, आंगनबाड़ी कार्यकतियों का प्रशिक्षण, बी0आर0सी0 एवं एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों का प्रशिक्षण, बी0आर0सी0 समन्वयकों की मासिक बैठकें, शोध कार्य एवं ऐशन–रिसर्च, मैग्जीन एवं न्यूज लेटर का प्रकाशन, सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन, बी0आर0सी0/एम0पी0आर0सी0 की गतिविधियों का अनुश्रवण, अध्यापकों को अकादमिक सहयोग एवं उनकी शैक्षिक समस्याओं का निराकरण एवं न्यूनतम अधिगम स्तर का मापन आदि कार्य सम्पादित किए जाते हैं। डायट में फर्नीचर एवं उपकरण, कम्प्यूटर हार्डवेयर वाहन का क्रय, ड्राइवर के वेतन पी0ओ0एल0, किताबें, टेलीफोन–फैक्स, कार्यशालाएं एवं एक्शन–रिसर्च, यात्रा–व्यय, आकस्मिक व्यय, टी0एल0एम0मेला, वाहन का क्रय मदों में धनराशि व्यय की गयी/प्रस्तावित है।

३. ब्लाक संसाधन केंद्र

जनपद में कुल 9 विकासखण्ड हैं। प्रत्येक विकास खण्ड में ब्लाक–संसाधन केन्द्र (बी0आर0सी0) की स्थापना की गयी है। विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की अकादमिक सहायता के लिए प्रत्येक बी0आर0सी0 में एक समन्वयक व दो सह–समन्वयकों की नियुक्ति परियोजनान्तर्गत की गयी है। इस प्रकार जनपद में 9 ब्लाक समन्वयक, 18 सहसमन्वयक परियोजना के अन्तर्गत नियुक्त किये गये हैं, जो अध्यापकों को अकादमिक सहयोग एवं विद्यालयों के पर्यवेक्षण का कार्य करते हैं। बी0आर0सी0 पर एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों की बैठकें, शैक्षिणिक समस्याओं पर चर्चा, एन0पी0आर0सी0 को तकनीकी सहयोग प्रदान, विद्यालयों का भ्रमण उन्हें अकादमिक सहयोगप्रदान करना, विविध सूचनाओं का संकलन, समय–समय पर कार्यशालाओं का आयोजन, प्रशिक्षण (डायट के निर्देशन में) का आयोजन, अध्यापकों को अकादमिक सहयोग, विविध शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन, बाल मेंलों एवं मॉ–बेटी मेंलों का आयोजन, टी0एल0एम0 निर्माण एवं टी0एल0एम0 मेंले का आयोजन, सांस्कृतिक एवं खेल–कूद कार्यक्रमों का आयोजन, स्कूल चलो अभियान का आयोजन एवं विविध शैक्षिणिक सूचनाओं के संकलन का कार्य सम्पादित होता है।

इस मद में बी0आर0सी0 के भवन निर्माण, समन्वयकों के वेतन, उपकरण एवं फर्निचर, यात्रा–व्यय, आकस्मिक व्यय, टी0एल0एम0मेला, दो दुपहिया वाहनों का क्रय मदों में धनराशि व्यय की गयी/प्रस्तावित है।

जनपद में ब्लाक संसाधन केन्द्र (बी0आर0सी0) का निर्माण जल निगम की सी0 एंड डी0 यूनिट द्वारा किया जा रहा है।

४. जिला परियोजना कार्यालय

जिला परियोजना कार्यालय मुख्यतः डायट, बी0आर0सी0, एन0पी0आर0सी0 एवं ग्राम शिक्षा समितियों के सहयोग से जनपद की वार्षिक कार्ययोजना का निर्माण, परियोजना के विभिन्न कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर नियंत्रण, विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण, जिले में योजना के विभिन्न स्तरों पर समन्वयन, परियोजना के क्रियाकलापों हेतु स्वीकृत धन का हस्तानान्तरण एवं समुचित उपयोग, शैक्षिणिक गतिविधियों का अनुश्रवण, वार्षिक कार्ययोजनानुसार कार्यो का समयबद्ध निष्पादन आदि कार्यों का निष्पादन करता है। जिला–स्तर पर एक सुसज्जित जिला परियोजना कार्यालय की स्थापना की गयी है, जिसमें 1 विशेषज्ञ बेसिक शिक्षाधिकारी, 1 सहायक लेखाधिकारी, 4 समन्वयक (क्रमशः प्रशिक्षण, बालिका शिक्षा, वैकल्पिक शिक्षा एवं सामुदायिक सहभागिता), 1 शिविर सहायक, 1 लेखाकार, 1 कम्प्यूटर आपरेटर एवं 1 चतुर्थ श्रेणी कार्यरत हैं। जिला परियोजना कार्यलय में में फर्नीचर एवं उपकरण, उपकरण मरम्मत, कार्यालय कर्मियों के वेतन–भत्ते पी0ओ0एल0, किताबें, टेलीफोन–फैक्स, वाहनों का किराया, स्टडी टूर, कार्यशालाएं एवं एक्शन–रिसर्च, यात्रा–व्यय, वार्षिक कार्य योजना एवं बजट, आकस्मिक व्यय, नवाचार, जिला स्तरीय कार्यशालाएं एवं मेलों, आदि मदों में धनराशि व्यय की गयी/प्रस्तावित हैं।

५. कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रबंध प्रणाली

जनपद में जिला परियोजना कार्यालय में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत ई0एम0आई0एस0 सेल की स्थापना की गई है। जनपद के विद्यालयों से एक निर्धारित प्रपत्र पर सूचना भरकर उसका कम्प्यूटराईजेशन किया जाता है। इस प्रकार कम्प्यूटरीकृत सूचनाओं का प्रयोग वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट निर्माण, शैक्षिणिक सूचनाओं के आदान–प्रदान, अनुश्रवण एवं नियोजन, आंकणों एवं सूचनाओं के विश्लेषण तथा आवश्यक्ताओं की पहचान में किया जाता है। एसके अंतर्गत एम0आई0एस0 सेल फर्निशिंग, प्रपत्र मुद्रण, उपकरण क्रय (कम्प्यमटर आदि), आकस्मिक व्यय आदि मदों में धनराशि व्यय की गयी/प्रस्तावित हैं।

६. न्यायपंचायत संसाधन केंद्र

प्रत्येक न्याय पंचायत में न्याय–पंचायत संसाधन केन्द्र (एन0पी0आर0सी0) की स्थापना की गयी है। विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की अकादमिक सहायता के लिए प्रत्येक एन0पी0आर0सी0 में एक एन0पी0आर0सी0 समन्वयक की नियुक्ति परियोजनान्तर्गत की गयी है। इस प्रकार जनपद में 76 न्याय पंचायत समन्वयक परियोजना के अन्तर्गत नियुक्त किये गये हैं। एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों द्वारा अध्यापकों को अकादमिक सहयोग, विद्यालयों के पर्यवेक्षण का कार्य, ग्राम शिक्षा समितियों/स्कूल प्रबन्धन समिति का प्रशिक्षण का कर्य, बाल मेंलों एवं मॉ–बेटी मेंलों का आयोजन, टी0एल0एम0 निर्माण एवं टी0एल0एम0 मेंले का आयोजन, सांस्कृतिक एवं खेल–कूद कार्यक्रमों का आयोजन, विविध शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन, स्कूल चलो अभियान का आयोजन एवं विविध शैक्षिणिक सूचनाओं के संकलन का कार्य किया जाता है। जनपद में जिला

प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 76 न्याय–पंचायत संसाधन केन्द्र (एन0पी0आर0सी0) के निर्माण का लक्ष्य रखा गया था। अब तक 76 न्याय–पंचायत संसाधन केन्द्र (एन0पी0आर0सी0) का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। न्याय–पंचायत संसाधन केन्द्र के निर्माण हेतु प्रति केंद्र .70 लाख रुपये की दर से धनराशि ग्राम शिक्षा समिति को उपलब्ध करायी जाती है, निर्माण हेतु 40 प्रतिशत अंशदान (रु0 28.00हजार) परियोजना द्वारा एवं शेष 60 प्रतिशत पी0एम0जी0वाई0 द्वारा उपलब्ध कराया गया। इस मद में एन0धी0आर0सी0 के भवन निर्माण, समन्वयकों के वेतन, उपकरण एवं फर्नीचर, यात्रा–व्यय, आकस्मिक व्यय, श्रव्य–दृश्य किराया मदों में धनराशि व्यय की गयी/प्रस्तावित है।

८. दूर शिक्षा

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यशाला, यात्रा व्यय, मुद्रण में धनराशि व्यय की गयी/प्रस्तावित है।

८. समेकित शिक्षा

शिक्षा के सार्वजनीकरण के लक्ष्य को तब तक प्राप्त नहीं किया जा सकता जब तक की विभिन्न विकलांगताओं से ग्रसित बच्चों को भी विद्यालयों में नहीं लाया जाता। जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत विशिष्ट आवश्यकता वाले इन बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। इसके अन्तर्गत इन बच्चों को उपकरण प्रदान कर विद्यालयों में नामांकन करने तथा अध्यापकों एवं समुदाय का संवेदीकरण किया जा रहा है। वर्तमान में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालक बालिकाओं का प्रतिवर्ष स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। वर्ष 2002–2003 में विकासखंड चम्बा में एवं 2003–04 विकासखंड प्रतापनगर एवं भिलंगना में स्वास्थ्य विभाग टिहरी, एन0आई0धी0एच0 देहरादून एवं एन0आई0ओ0एच0 देहरादून के सहयोग से विकलांगता परीक्षण एवं उपकरण वितरण शिविरों का आयोजन किया गया।

इस मद में कार्यशालाओं. विकलांगता परीक्षण एवं उपकरण वितरण शिविरों, शिक्षकों की पुनर्बोधत्मक कार्यशालाएं एवं बैठक मदों में धनराशि व्यय की गयी/प्रस्तावित है।

विस्तृत विवरण एवं गतिविधि के अनुसार बजट संलग्न तालिका में प्रस्तावित है –

District Primary Education Programme - III, Tehri Garhwal

Perspective & Revised Perspective Plan

SN	Particular	Year	ACCESS		RETENTION		QUALITY IMPROVEMENT		CAPACITY BUILDING		TOTAL	
			Amount	%	Amount	%	Amount	%	Amount	%	Amount	%
1	Total Perspective Plan	2000-2005	30509.34	16.64	33995.10	18.54	52874.17	28.83	65990.54	35.99	**183369.15**	**100.00**
2	Revised Perspective Plan	2000-2005	36119.31	16.20	38580.55	17.30	55768.56	25.01	92558.40	41.50	**223026.82**	**100.00**
3	Additionality		5609.98		4585.45		2894.39		26567.86		**39657.68**	

District Primary Education Programme - III, Tehri Garhwal
Perspactive Plan

Rs. In Thousand

(Access)

Activities/Particulars	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining Project Period		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
A1. Additional Class rooms	67	28.00	1876.00	67	1876.00	0	0.00	0	0.00	67	1876.00	
									0.00			
Sub Total(A1)			**1876.00**	**0**	**1876.00**	**0**	**0.00**		**0.00**	**0**	**1876.00**	
A2. New Primary Schools												
1. Construction	122	76.40	9320.80	114	8709.60			2	152.80	116	8862.40	
2a. Salary of Para-Teachers	122		6087.00	116	4716.38			116	5220.00	232	9936.38	
2b. Addl. Salary of Head Teacher				116	1248.96	116	1248.96	116	1044.00	232	2292.96	
3. Furniture/Fixture & Equip.	122	10.00	1220.00	90	900.00			26	260.00	116	1160.00	
Sub Total(A2)			**16627.80**		**15574.94**		**1052.87**		**6676.80**		**22251.74**	
A3. Alternative Schools												
(A) Shiksha Ghar.												
1. Honorarium												
(a) Worker	14	24.64	1379.73	14	183.00			14	210.00	28	393.00	
(b) Supervisor					0.00			0	0.00	0	0.00	
2. Educational materials	14	2.5	35.00	14	32.90			0	0.00	14	32.90	
3. Text Books/TLM	14	1.65			0.00			14	28.00	14	28.00	
4.Conteng.		2.00	28.00		9.00			14	14.00	14	23.00	
5. Training- Worker/Supervisor												
(a) Induction	14	2.1	29.40	14	16.36			0	1.84	14	18.20	
(b) Recurring			28.00	0	7.23			14	14.00	14	21.23	
(B) Education Guarantee Scheme												
1. Honorarium												
(a) Worker	223	24.64	4459.47	226	5279.70	3		227	3405.00	453	8684.70	
(b) Supervisor		0.84	924.00	0	0.00			0	0.00	0	0.00	
2. Educational materials	223	2.5	557.50	226	502.90	3		0	0.00	226	502.90	
3. Text Books/TLM	223	1.65	1485.90	226	229.06	3		226	452.00	452	681.06	
4.Conteng.		2	1831.00		350.85			226	226.00	226	576.85	
5. Training- Worker/Supervisor	24	2.1		0	0.00			0	0.00	0	0.00	
(a) Induction	223	2.1	518.70	226	363.93	3		33	58.88	259	422.81	
(b) Recurring		0.84	728.84	195	195.00			194	194.00	389	389.00	
6. TLM				0	0.00			0	0.00	0	0.00	

Activities/Particulars	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining Project Period		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
(C) Bal Mitra												
1. Honorarium of worker				0	0.00			0	0.00	0	0.00	
2. Educational Equipments				0	0.00			0	0.00	0	0.00	
3. Bal Kit/TLM				0	0.00			0	0.00	0	0.00	
4. Training- Worker				0	0.00			0	0.00	0	0.00	
5. Special Award				0	0.00			0	0.00	0	0.00	
(D) Bridge Course Camp												
1. Honorarium of worker				1	1.50	1	1.50	0	0.00	1	1.50	
2.Bal Kit/TLM				1	2.00	1	2.00	0	0.00	1	2.00	
3. Refreshment (chiildren)				1	18.00	1	18.00	0	0.00	1	18.00	
4. Educational materials/Contingency				1	0.50	1	0.50	0	0.00	1	0.50	
5. Training- Worker				1	9.24	1	9.24	0	0.00	1	9.24	
(F) Rishi Valley Education Centre												
1. Honorarium								0	0.00	0	0.00	
(a) Worker					0.00			0	0.00	0	0.00	
(b) Supervisor					0.00			0	0.00	0	0.00	
2. Educational Equipments				5	23.50	5	23.50	0	0.00	5	23.50	
3. Educational Kit					5.00		5.00	0	0.00	0	5.00	
4. Training- Worker/Supervisor					0.00			0	0.00	0	0.00	
(a) Induction					9.20			0	0.00	0	9.20	
(b) Recurring					0.00			0	0.00	0	0.00	
(G) Salary of D.Co. A.Schooling				0	0.00		0.00	1	308.00	1	308.00	
(H) D.R.G. Meating(A.S.)				3	3.92		3.92	4	3.92	7	7.84	
Sub Total (A3)			**12005.54**		**7075.94**		**35.16**		**4915.64**		**11991.58**	
Total (A1+A2+A3)			**30509.34**		**24526.87**		**1088.03**		**11592.44**		**36119.31**	
(Retention)												
R1.A- Publicity & Ext. awareness												
Building/Mass Comminucation		1.00	2292.00		54.27			10	40.00	10	94.27	
R1.B- School challo Abhiyan					0.00			0	0.00	0	0.00	
R2. News Letters					20.00		20.00	1	20.00	1	40.00	
R3. Const. of old Primary Schools	90	76.40	6876.00	90	6876.00			0	0.00	90	6876.00	
R4. Toilets	200	10.00	2000.00	200	2000.00			50	750.00	250	2750.00	
R5. Drinking Water	200	22.00	4400.00	183	3844.18			25	550.00	208	4394.18	
R6. Repair & Maintenance	390	20.00	7800.00	390	7800.00			0	0.00	390	7800.00	
(School needing repairs and General Maint.)			0.00	0	0.00			0	0.00	0	0.00	
R7. Salary of Additional Para-Teacher	122		6087.00	183	6898.00	61	811.00	183	8235.00	366	15133.00	

Activities/Particulars	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining Project Period		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
R8. Promoting Girls Education												
a. Cluster Mobilization/Awareness		5.00	100.00	15	40.00			15	15.00	30	55.00	
b. Trg of Elected Women of G.Panchayat	194	0.09	17.46	10	9.00			0	0.00	10	9.00	
c. WMG Training			0.00	0	40.00		40.00	0	0.00	0	40.00	
d. MAMTA Training	7096	0.09	638.64	269	269.00			0	0.00	269	269.00	
e. Maa-Beti Mela			0.00	30	114.00	30	114.00	10	38.00	40	152.00	
f. Meena Campaigning/ Kala Jatha	10	10.00	100.00	50	134.40	40	34.40	0	0.00	50	134.40	
g. Workshop of VEC at NPRC			0.00	20	74.50	20	74.50	5	19.00	25	93.50	
h. Mahila Samakhya	15	100.00	1350.00	0	0.00			0	0.00	0	0.00	
i. DRG Meeting (G.E.)			0.00	3	3.92	3	3.92	4	3.92	7	7.84	
j. Salary of D.Co. G.Education				0	0.00	0	0.00	1	308.00	1	308.00	
R9.Bal Mela	228	1.00	228.00	76	76.00			0	0.00	76	76.00	
R10. Innovative Prg for NGOs			0.00		0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
R11.Gender Sensitization Programme												
I. TOT MTA/PTA/SMC			0.00	2	23.34	2	23.34	0	0.00	2	23.34	
II. NPRC/BRC/Teachers Training			135.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
R12.PRA												
1. Workshop			0.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
2. Exercise			0.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
R13.Health Checkup/Card			0.00		95.03	0	95.03	0	0.00	0	95.03	
R14. Honorarium of												
1. AEs	27	73.00	1971.00		0.00			1	24.00	1	24.00	
2. JEs			0.00		0.00			206	206.00	206	206.00	
Total (R1-R14)			**33995.10**		**28371.63**		**1216.19**		**10208.92**		**38580.55**	
(Quality Improvement)												
Q1(A). Opening of ECCE Centres												
1. Civil Works			0.00		0.00			0	0.00			
2. TLM	200	5	1000.00	198	990.00			0	10.00	200	1000.00	
3. Honorarium	200	0.375	3150.00	198	1761.13			0	1350.00	200	3111.13	
4. Contingency	200	1.5	1050.00	200	717.00			0	600.00	200	1317.00	
5. Quartly Meatings Of Anusharwan Sameeti			0.00	0	0.00			4	300.00	4	300.00	
6. Training a. Inductive	200	2.1	420.00	186	217.10			0	0.00	186	217.10	
b. Recurring	500	0.9	1083.08	364	232.00			0	283.50	200	515.50	
Sub Total(Q1A+Q1B)			**6703.08**		**3917.22**		**0.00**		**2543.50**		**6460.72**	
Q2. Training Programms												
1. DRG Meeting(Co.Mob.)			0.00	3	13.19	3	13.19	4	3.92	7	17.11	
2. BRG Meeting			0.00	9	256.50	9	256.50	9	102.60	18	359.10	

Activities/Particulars	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining Project Period		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
3. BRG Training For VEC &SMC Trg			0.00	19	181.53	19	181.53	1	13.00	20	194.53	
4. VEC & SMCTraining		0.009	2578.50	1158	1394.10			500	500.00	1658	1894.10	
5. Salary of D.Co. Commu. Mobili.				0	0.00	0	0.00	1	301.00	1	301.00	
6. Salary of D.Co. Traning				0	0.00	0	0.00	1	346.50	1	346.50	
7. Resource Person Training (TOT)	140	0.84	117.60	33	123.45			2	63.50	35	186.95	
8. HT Training	2451	0.70	1715.70	0	0.00			0	0.00	0	0.00	
9. In-service Teacher Trg	14080	0.90	12672.00	4577	5676.41			84	2058.00	4661	7734.41	
10. Para-Teacher Trg a. Inductive	244	2.10	512.40	59	315.02			7	228.16	66	543.18	
b. Recurring	452	1.40	632.80	177	177.00			177	177.00	354	354.00	
11. BRC/NPRC Co-ordinator Selection			0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
12.BRC/NPRC Co-ordi/ABSA/SDI			0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
Trg (Capacity . Building)	304	0.84	255.36	4	80.72			0	0.00	4	80.72	
13. ABSA/SDI Trg	80	0.84	67.20	0	0.00			0	0.00	0	0.00	
14.Civil work Trg (BRC/NPRC/VEC)	3	10.00	30.00	9	66.60	6	36.60	0	0.00	9	66.60	
15.Innovative Trg	180	0.84	151.20	0	0.00			0	0.00	0	0.00	
16. Visioning Workshop			0.00	5	72.89	5	72.89	0	0.00	5	72.89	
17. DRG Meeting (Trg.)			0.00		3.92	0	3.92	4	3.92	4	7.84	
18. Workshope on Commu. Mob.			0.00		16.80	0	16.80	0	0.00	0	16.80	
19. Workshope on Alternative Schooling			0.00		16.80	0	16.80	0	0.00	0	16.80	
20. ECE Trg Of Teachers			0.00		0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
21. Sharing Of Out Comes Of Mid term Ass. Study			0.00		0.00	0	0.00	10	66.90	10	66.90	
22. Sharing Of Out Comes Of final Ass. Study			0.00		0.00	0	0.00	10	66.90	10	66.90	
23. Sharing Of Out Comes Of diff. Study			0.00		0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
24. Comper. & Counti. Evaluatation			0.00		0.00	0	0.00	0	66.00	0	66.00	
25. Re-Ori. Workshope Proj.Fun.			0.00		0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
BRC/NPRCDIET&ABSA/SDI			0.00		0.00	0	0.00	4	72.00	4	72.00	
Sub Total(Q2)			**18732.76**		**8394.92**		**598.23**		**4069.40**		**12464.32**	
Q3. TLM												
1a. School Improvement Fund	5060	2.00	10120.00	4809	9618.00			2568	5136.00	7377	14754.00	
1b. School Maintenance			0.00		0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
2. Teachers Grant	11788	0.50	5894.00	7552	3776.00			6218	3109.00	13770	6885.00	
3. Free Text Books	3E+05	0.03	8646.33	111476	7604.27			1E+05	7600.25	2E+05	15204.52	
4. Book Bank	5060	0.30	1518.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
Sub Total(Q3)			**26178.33**		**20998.27**		**0.00**		**15845.25**		**36843.52**	
Q4. Award to VEC (Per Block)	36	25.00	900.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
Q5. School Award (Per Block)	72	5.00	360.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
Total (Q1-Q5)			**52874.17**		**33310.41**		**598.23**		**22458.15**		**55768.56**	

Activities/Particulars	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining Project Period		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
(Capacity Building)												
C1. School Mapping & Microplanning												
1. Printing/Survey		10.00	90.00		236.46			0	0.00	0	236.46	
2. Seminar & Workshop		3.00	27.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
3. Village Level Microplanning		20.00	180.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
Sub Total(C1)			**297.00**		**236.46**		**0.00**		**0.00**		**236.46**	
C2. Operationalising DIETs												
1. Furniture & Fixture			0.00		0.00	0	0.00	1	50.00	1	50.00	
2a. Equipments	1	50.00	50.00	1	42.91			1	120.00	2	162.91	
2b. Computer/Hardware			0.00		131.91	0	131.91	0	0.00	0	131.91	
2c. Consumable			0.00		56.98	0	56.98	1	40.00	1	96.98	
3. Books		10.00	40.00		9.98			0	0.00	0	9.98	
4. Honorarium			0.00		0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
5. Printing			0.00		104.34	0	104.34	1	40.00	1	144.34	
6. TA		40.00	200.00		137.23			1	90.00	1	227.23	
7. Maintenance		5.00	20.00		5.00			1	5.00	1	10.00	
8. Workshop/Seminar/Comptrg		20.00	180.00		51.02			2	60.00	2	111.02	
9. Purchase of Vehicle	1	350.00	350.00	1	350.75	0	0.75	0	0.00	1	350.75	
10.POL			180.00		37.70			1	40.00	1	77.70	
11. Action Research			100.00		30.00			1	15.00	1	45.00	
12.Wages of Driver		2.50	127.50		13.66			1	54.00	1	67.66	
13. Contingency/ Monthaiy Meating			0.00		17.36	0	17.36	1	10.00	1	27.36	
Sub Total(C2)			**1247.50**		**988.83**		**311.34**		**524.00**		**1512.83**	
C3. BRC												
1. Civil Construction	9	800.00	7200.00	6	5018.24			2	1058.50	8	6076.74	
2a.Salary of Co-ordinator & Asstt. Corc	27		8721.00	27	9445.86	0	724.86	9	4860.00	36	14305.86	
2b.Wages of Choukidar			0.00		226.93	0	226.93	9	288.00	9	514.93	
2c.Libalities of Last Year			0.00	0	900.00	0	900.00	0	0.00	0	900.00	
3. Equipment & Furniture	9	135.00	1215.00	0	0.00			0	1350.00	0	1350.00	
4. TA.												
a. Co-ordinator/Asstt. Co-ordinator			223.00		153.00			9	45.00	9	198.00	
b. ABSA/SDI			223.00		102.38			9	45.00	9	147.38	
5. Maintenance of Equip.			64.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
6. Maintenance of Building			0.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
7. Books		10.00	270.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
8. BRC Exhibition/fair (teaching aids etc)		10.00	720.00		135.00			9	45.00	9	180.00	
9. Purchase of vehicle (Two Wheeler)	9	50.00	450.00	2	85.16			0	0.00	2	85.16	

Activities/Particulars	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining Project Period		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
10.POL/Maintenance			315.00	0	4.27			0	0.00	0	4.27	
11.Consumable		5.00	207.00	0	99.00			9	45.00	9	144.00	
12. Contingency		6.00	165.00	0	45.00			0	0.00	0	45.00	
Sub Total(C3)			**19773.00**		**16214.83**		**1851.79**		**7736.50**		**23951.33**	
C4. DPO												
1. Equipment	1	200.00	200.00	1	198.00			0	0.00	1	198.00	
2. Furniture & Fixture	1	120.00	120.00	1	119.50	0	-0.50	0	0.00	1	119.50	
3. Books		10.00	50.00		5.00			0	0.00	0	5.00	
4. Purchase of Vehicle	1	350.00	350.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
5. Consultancy Charges		120.00	2170.00		0.00			1	30.00	1	30.00	
6. Salary of Staff			8160.00		5740.05			1	1320.00	1	7060.05	
7. Consumable		50.00	250.00		126.11			1	35.00	1	161.11	
8. Telephone & Fax		40.00	200.00		66.83			1	30.00	1	96.83	
9. Vehicle Maintenance & POL		40.00	200.00		217.30	0	17.30	1	110.00	1	327.30	
10.Maintinance of Equip.		20.00	90.00		10.00			1	15.00	1	25.00	
11.TA		85.00	420.00		369.73			1	140.00	1	509.73	
12.Seminar & Workshop		25.00	109.00		69.97			1	40.00	1	109.97	
13.Hiring of Vehicles		10.00	45.00		20.60			1	15.00	1	35.60	
14.Civil Work Supervisory Consult			0.00		0.00	0	0.00	1	10.00	1	10.00	
15. District level Exhibition & Fair			100.00		5.04			1	10.00	1	15.04	
16.Study Tours			90.00		20.00			1	20.00	1	40.00	
17.Distt. level Conversion workshop/Meetings		15.00	75.00		0.00			1	20.00	1	20.00	
18. AWP & View workshop		15.00	75.00		29.81			0	0.00	0	29.81	
19. Research evaluation		50.00	200.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
20. Contingency		20.00	100.00		66.22			1	30.00	1	96.22	
21. Innovative Fund			200.00		0.00			15	100.00	15	100.00	
22. Rent of DPO			0.00		0.00	0	0.00	0	0.00	0	0.00	
23. Purchase of Two Wheeler	6	50.00	300.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
Sub Total(C4)			**13504.00**		**7064.16**		**17.30**		**1925.00**		**8989.16**	
C5. MIS/Research & Evaluation												
1. MIS cell Furnishing	1	180.00	180.00	1	199.98	0	19.98		0.00	1	199.98	
2. EMIS/PMIS Printing & Survey		30	120.00		34.06			1	40.00	1	74.06	
3. MIS Equipment		250	250.00		276.50	0	26.50	1	20.00	1	296.50	
4. Computer System Training		50	50.00		50.00	0	0.00	1	10.00	1	60.00	
5. Maint of Equipment		30	90.00		13.88			1	35.00	1	48.88	
6. Exposer visits			0.00		0.00				0.00	0	0.00	
7. Consumable			240.00		35.81			1	25.00	1	60.81	
8. Sample Study			0.00		0.00	0	0.00	1	20.00	1	20.00	
Sub Total(C5)			**930.00**		**610.22**		**46.48**		**150.00**		**760.22**	

Activities/Particulars	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining *Project Period*		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
C6. School Complex/(NPRC)												
1. Construction	76	28	2128.00	76	2128.00				0.00	76	2128.00	
2. Salary of Co-ordinator												
a-Fresh Praposel	76		21318.00	76	28175.09	0	6857.09	76	18012.00	152	46187.09	
b-Libalities of Last Year			0.00		6135.39	0	6135.39		0.00	0	6135.39	
3. Equipments & Furniture	76	20	1520.00	72	1081.46				58.55	72	1140.01	
4. Books for Library	76	5	760.00		0.00				0.00	0	0.00	
5. A/V Hiring Charge		0.8	211.20	76	182.40			76	60.80	152	243.20	
6. Contingency			0.00	76	266.00	76	266.00	76	76.00	152	342.00	
7. Monthly Meetings/TA		2	760.00		456.00			76	152.00	76	608.00	
8. Mela Workshop etc			0.00		0.00	0	0.00		0.00	0	0.00	
Sub Total(C6)			**26697.20**		**38494.34**		**13258.48**		**18359.35**		**56853.69**	
C7. Distance Education												
1. Equipments & other		75	75.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
2. Telephone, Fax Bills & Maintenance		30	150.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
3. Conferencing TA/DA		30	135.00		0.00			2	40.00	2	40.00	
4. Video Recording & Packaging		200	800.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
5. Printing materials		40	180.00		0.00			1	20.00	1	20.00	
6. Training workshop/Seminar		25	225.00		0.00			2	40.00	2	40.00	
Sub Total(C7)			**1565.00**		**0.00**		**0.00**		**100.00**		**100.00**	
C8. Integrated Education												
1. Distt. level workshop			100.00		23.88			1	40.00	1	63.88	
2. Block level resource support			1215.00		24.99			0	0.00	0	24.99	
3. Survey through VEC			382.00		0.00			0	0.00	0	0.00	
4. Training of BRG & DRG			26.40		0.00			1	18.00	1	18.00	
5. Orientation of Teachers			253.44		40.00			0	0.00	0	40.00	
6. DRG Meeting (I.E.)			0.00		3.92	0	3.92	4	3.92	4	7.84	
Sub Total(C8)			**1976.84**		**92.79**		**3.92**		**61.92**		**154.71**	
Total (C1-C8)			**65990.54**		**63701.63**		**15489.30**		**28856.77**		**92558.40**	
Grand Total (A,R,Q,C)			**183369.15**		**149910.54**				**73116.28**		**223026.82**	

Head/ Sub heads/Activity	Total Perspective Plan/ Project Target			Achievement 2000-2004		Additionality		Plan For Remaining Project Period		Revised Perspective Plan		Remark
	Ph	U.Cost	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	Ph	Fin.	
ACCESS			30509.34		24526.87		1088.03		11592.44		36119.31	
RETENTION			33995.10		28371.63		1216.19		10208.92		38580.55	
QUALITY IMPROVEMENT			52874.17		33310.41		598.23		22458.15		55768.56	
CAPACITY BUILDING			65990.54		63701.63		15489.30		28856.77		92558.40	
TOTAL			**183369.15**		**149910.54**				**73116.28**		**223026.82**	